वर्ष : 34 ▸ अंक :25 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, बुधवार, 2 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

योगी सरकार के बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट का हंटर !

'इस वीडियो ने अंतरात्मा को झकझोर दिया'

● देश में कानून का राज, किसी का घर बेरहमी से नहीं गिरा सकते : सुप्रीम कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान अधिकारियों को फटकारा
- जिनके घर गिराए उनको देना होगा 10 लाख का मुआवजा

एजेंसी | नई दिल्ली

इस प्रतीकात्मक तस्वीर का वीडियो आपने जरूर देखा होगा। बुलडोजर एक आशियाने को रौंद रहा था और एक बच्ची उस टूट रही झोपड़ी से अपनी किताबें लेकर भाग रही थी। यह अन्याय इतिहास में सबसे सियाह शब्दों में दर्ज हो चुका है। अब इस वीडियो ने देश की सर्वोच्च न्यायपालिका सुप्रीम कोर्ट को अंदर तक हिला दिया।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण को कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन को लेकर प्रयागराज विकास प्राधिकरण को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने प्राधिकरण (PDA) को पांच याचिकाकर्ताओं को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अफसरों में संवेदनशीलता नहीं है। ये मकान कानून की प्रक्रिया का पालन किए बगैर गिराए गए थे। इस कार्रवाई ने हमारी अंतरात्मा हिला दी है। घरों पर बुलडोजर चलने की ये घटना 2021 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधान के तहत नागरिकों के मूल अधिकार का उल्लंघन माना। कोर्ट ने कहा कि नोटिस देने के 24 घंटे के भीतर घर गिराने की कार्रवाई पूरी तरह से अवैध थी। कोर्ट ने इसे समाज में गलत संदेश फैलाने वाली और कानून के शासन के खिलाफ कार्रवाई करार दिया।

ढहती झोपड़ी से भाग रही बच्ची के वीडियो का दिया हवाला

जस्टिस अभय ओका और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने स्पस्ट किया कि मुआवजा प्रभावितों को राहत देने के साथ साथ सरकार को भविष्य में इस तरह की मनमानी रोकने के लिए भी है। फैसले के दौरान कोर्ट ने हाल में वायरल एक वीडियो का हवाला भी दिया। इस वीडियो में बुलडोजर एक्शन के दौरान एक बच्ची अपनी किताबें लेकर ढहती झोपड़ी से भागती दिख रही है। कोर्ट ने इसे अंतररात्मा को झकझोरने वाला करार दिया।

15 दिन का नोटिस देना अनिवार्य

कोर्ट ने पहले के दिशा निर्देशों का भी हवाला दिया जिसमें किसी संपत्ति को ध्वस्त करने से पहले 15 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपने खर्चे पर घर दोबारा बनाने की अनुमति दी लेकिन कहा कि अगर उनकी अपील खारिज होती है तो उन्हें निर्माण हटाना होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

वक्फ बिल पर सदन में तकरार तय

नई दिल्ली। विपक्षी दलों इंडिया गठबंधन ने मंगलवार को संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान कर दिया। इस मुद्दे पर गठबंधन के नेताओं ने अहम बैठक की और तय किया कि इस बिल का हर स्तर पर कड़ा विरोध किया जाएगा। विपक्ष ने साफ कर दिया है कि वे इस बिल को असंवैधानिक मानते हैं और इसे किसी भी हाल में पारित नहीं होने देंगे।

▸▸ पेज 8 देखें

कुणाल कामरा को मिली ट्रांजिट अग्रिम जमानत

चेन्नई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बिना उनका नाम लिए व्यंग्य करने के बाद विवादों में घिरे स्टैंडअप कमीडियन कुणाल कामरा को तमिलनाडु के वनूर में जिला मुंसिफ-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने मंगलवार को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी। कामरा ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें ट्रांजिट अग्रिम जमानत की मांग की गई थी। यह उस क्षेत्राधिकार से अलग क्षेत्राधिकार में गिरफ्तारी से अस्थायी सुरक्षा प्रदान करती है, जहां एफआईआर दर्ज की गई है।

महंगाई का डोज

संक्रमण, मधुमेह की बीमारी समेत 900 दवाइयों के दाम बढ़े

नई दिल्ली। देश में 1 अप्रैल से गंभीर संक्रमण, हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों की दवाइयों के दाम बढ़ गए। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने मंगलवार से 900 से अधिक जरूरी दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला किया। जानकारी के मुताबिक, प्राधिकरण ने कीमतों में 1.74 प्रतिशत तक की वृद्धि की घोषणा की। इन दवाइयों के महंगी होने का असर आम नागरिकों पर पड़ने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन की 250 मिलीग्राम और 500 मिलीग्राम की अधिकतम कीमत क्रमशः 11.87 और 23.98 रुपए टैबलेट होगी। वहीं एमोक्सिसिलिन और क्लैवुलैनिक एसिड वाले ड्राई सिरप की कीमत 2.09 रुपए तय की गई है। मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की कीमत 6.47 रुपए से बढ़कर 14.04 रुपए होगी। दर्द में खाई जाने वाली दवा डाइक्लोफेनोक की अधिकतम कीमत अब 2.09 रुपए प्रति टैबलेट होगी। दरअसल, दवा निर्माता डब्ल्यूपीआई के आधार पर अधिकतम खुदरा कीमतें बढ़ा सकते हैं और इसके लिए केंद्र की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।

मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में दौड़ेंगी बाइक टैक्सी

- ▸▸ बाइक टैक्सी नीति को दी अपनी मंजूरी
- ▸▸ फडणवीस कैबिनेट में लिया गया निर्णय

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई और इससे सटे ठाणे समेत दूसरे तमाम शहरों के साथ राज्य में अब 'बाइक टैक्सी' दौड़ेंगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में 'बाइक टैक्सी' चलाने को स्वीकृति दे दी गई। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा बाइक टैक्सी नीति को मंजूरी मिलने के बाद अब परिवहन के इस नए किफायती विकल्प के शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है।

बाइक पूलिंग को स्वीकृति

राज्य सरकार ने सड़क पर वाहनों की संख्या को कम करने के लिए, सरकार ने निजी दोपहिया वाहनों के लिए बाइक-पूलिंग के विकल्प को भी मंजूरी दी है। इन वाहनों के लिए मोटर वाहन अधिनियम के तहत फिटनेस सर्टिफिकेट, वैध परमिट और बीमा अनिवार्य होगा। बाइक टैक्सी किराया दरें संबंधित क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (RTA) द्वारा निर्धारित की जाएंगी।

कम खर्च में पूरा होगा सफर

बाइक टैक्सी सेवा से कम खर्च में सुगम यात्रा का विकल्प उपलब्ध होगा और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। इस नीति के तहत, केवल इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी परिवहन सेवा में शामिल की जाएंगी। यह योजना नागरिकों को सस्ता परिवहन विकल्प और 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' प्रदान करेगी। इसके साथ ही, यह शहरों में प्रदूषण और यातायात जाम को कम करने में मदद करेगी और यात्रा का समय घटेगा। साथ ही, नए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

कौन चला पाएगा?

बाइक टैक्सी सिर्फ 20 से 50 वर्ष की आयु के चालक ही चला सकेंगे। इसके अलावा, महिला यात्रियों को महिला चालक चुनने का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि अकेले मुंबई में ही दस हजार से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। प्रताप सरनाईक ने विश्वास व्यक्त किया कि महाराष्ट्र में 20,000 नौकरियां पैदा होंगी। सरनाइक ने कहाकि हम रिक्शा और टैक्सी चालकों को 10,000 रुपये की सब्सिडी देने का प्रयास कर रहे हैं।

किराना दुकानों को राहत

अब 24 घंटे खुले रह सकती हैं किराना दुकानें

किराना दुकानों को 24 घंटे खुले रखने से नहीं रोकता कानून : कोर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 24 घंटे खुली रहने वाली किराना दुकानों को ग्राहकों और अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद करार देते हुए कहा कि कानून के तहत इन पर कोई प्रतिबंध नहीं है। कोर्ट ने पुणे पुलिस को निर्देश दिया कि वह किसी भी सुविधा स्टोर को रात 11 बजे तक बंद करने के लिए बाध्य न करे।

डांस बार और हुक्का बार पर लागू होते हैं प्रतिबंध

न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और अद्वैत सेठना की खंडपीठ ने कहा कि 24x7 सुविधा स्टोर की अवधारणा दुनियाभर में लोकप्रिय है और इससे उपभोक्ताओं को खरीदारी में सहूलियत मिलेगी, खासकर उन लोगों को जिनके काम के घंटे असामान्य होते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि रात 11 बजे तक बंद करने का प्रतिबंध केवल हुक्का बार, डांस बार और शराब परोसने वाले रेस्तरां जैसे प्रतिष्ठानों के लिए लागू होता है, किराना दुकानों के लिए नहीं।

मुंबईकरों पर 'कचरा टैक्स'!

- आदित्य ठाकरे ने 'कचरा टैक्स' को बताया आम जनता पर बोझ
- प्रपोजल प्रस्तावित, अंतिम मंजूरी नहीं

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे ने 'कचरा टैक्स' के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे मुंबईकरों पर आर्थिक बोझ बताया। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार पर 'अप्रैल फूल सरकार' का तंज कसते हुए कहा कि यह सरकार सिर्फ नए कर वसूलने में लगी है, जबकि जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप

आदित्य ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 'कचरा टैक्स' से जनता की जेब काटी जा रही है, जबकि ठेकेदारों की जेबें भरी जा रही हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार इस फैसले पर दोबारा विचार करे और आम जनता को राहत दे।

कैसे वसूला जाएगा कचरा टैक्स?

बृहन्मुंबई नगर निगम ने सोमवार को 2025 के लिए स्वच्छता और सफाई नियम प्रस्तुत किया। जिसमें घरों से दैनिक कचरा संग्रहण के लिए उपयोगकर्ता कर भी शामिल है। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, 50 वर्ग मीटर तक के निर्मित क्षेत्र (बीयूए) वाले आवासों से 100 रुपए मासिक शुल्क लिया जाएगा। जबकि, 50 वर्ग मीटर से 300 वर्ग मीटर के बीच बीयूए वाले आवासों के लिए 500 रुपए का शुल्क लिया जाएगा। बीयूए में 300 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले घरों के लिए कचरा संग्रहण शुल्क 1000 रुपए होगा। यह कर वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, गेस्टहाउसों, रेस्तरां, क्लीनिकों, प्रयोगशालाओं, गोदामों, कार्यालयों, लघु एवं कुटीर उद्योग कार्यशालाओं, शीतगृहों, विवाह हॉलों, उत्सव हॉलों, प्रदर्शनियों और सभा स्थलों पर भी लगाया जाएगा। फिलहाल इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिली है, यह प्रपोजल प्रस्तावित है।।

स्पेशल स्टोरी

जंगल की जमीन पर भूमाफियाओं की गिद्ध नजर

- ▸▸ दिल्ली, सिक्किम और गोवा के बराबर जंगलों पर अवैध कब्जा
- ▸▸ 25 राज्यों में अतिक्रमणकारियों के कब्जे में हैं हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र
- ▸▸ 13 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक जंगल अतिक्रमण की जद में

एजेंसी | नई दिल्ली

क्या कहते हैं आंकड़ें

- मध्य प्रदेश और असम सबसे अधिक प्रभावित
- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एनजीटी को सौंपे आंकड़े
- 10 राज्यों ने वन अतिक्रमण पर आंकड़े पेश नहीं किए

देश में दिल्ली, सिक्किम और गोवा के भौगोलिक क्षेत्र के बराबर जंगलों पर अवैध कब्जा हो रखा है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। इसके अनुसार, 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 13 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है।

बिहार, हरियाणा समेत कई राज्यों ने विवरण नहीं दिया

रिपोर्ट के अनुसार, जिन राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों ने अपना आंकड़ा पेश किया है, उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादर और नगर तथा दमन और दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम मध्य प्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं। वहीं लगभग 10 राज्यों ने वन अतिक्रमण पर डाटा या विवरण पेश नहीं किया। इसमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान,तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।

एनजीटी ने वन अतिक्रमण पर स्वत: संज्ञान लिया

दरअसल, पिछले वर्ष एनजीटी ने वन अतिक्रमण पर स्वत: संज्ञान लिया था। इसमें बताया गया था कि भारत में 7,50,648 हेक्टेयर (या 7506 .48 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है, जो दिल्ली के आकार से पांच गुना अधिक है। इस पर एनजीटी ने मंत्रालय को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वन क्षेत्रों के अतिक्रमण का विवरण एक निर्धारित प्रारूप जमा करने का निर्देश दिया था। अब पिछले हफ्ते एनजीटी को सौंपी रिपोर्ट में मंत्रालय ने बताया कि मार्च,2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13,05,668 .1 हेक्टेयर (या 13056 वर्ग किलोमीटर) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन था। इसमें बताया गया कि राज्यों में सबसे अधिक मध्य प्रदेश और असम में सबसे अधिक वन अतिक्रमण है।

तीन श्रेणी में बंटा

दरअसल, वन क्षेत्र या रिकॉर्डेड फॉरेस्ट एरिया (आरएफए) को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। इसमें आरक्षित वन, जिन्हें पूर्ण संरक्षण प्राप्त है और जिनमें शिकार और चराई जैसी गतिविधियां आम तौर पर प्रतिबंधित हैं। आरएफए में सरकार उन जंगलों को भी वन के तौर पर नामित भूमि में रखा है, जिनमें पेड़ न भी हों।

कार्रवाई कर अतिक्रमण भी हटाया

रिपोर्ट में कहा गया कि अब तक 409 .77 वर्ग किलोमीटर वन भूमि से अतिक्रमण हटाया जा चुका है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मार्च, 2024 तक अतिक्रमण के तहत कुल वन भूमि से इस क्षेत्र को बाहर रखा गया था या नहीं। मंत्रालय ने एनजीटी को बताया कि उसने पिछले साल 1 मई, 17 मई और 28 मई को भेजे पत्रों से राज्यों से डेटा जमा करने को कहा था। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ गत वर्ष 11 नवंबर को बैठक भी हुई। मंत्रालय ने इस साल 22 फरवरी और 26 मार्च को भी पत्र भेजे, जिसमें बचे राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को जानकारी देने को कहा गया है।

रत्नागिरी में सड़क हादसे के बाद हंगामा

भीड़ ने ट्रक को किया आग के हवाले

डीबीडी संवाददाता । रत्नागिरी

रत्नागिरी जिले के खंडाला वाटड इलाके में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक में आग लगा दी। इस घटना में ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

गुस्साई भीड़ ने किया हंगामा

इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और निवाली-जयगढ़ मार्ग को जाम कर दिया। हादसे से नाराज भीड़ ने मौके पर ही ट्रक में आग लगा दी।

कैसे हुआ हादसा?

पुलिस के अनुसार, खंडाला वाटड गांव के निवासी किरण पागड़े मोटरसाइकिल से निवाली-जयगढ़ मार्ग पर किसी काम से जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे किरण पागड़े की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा

सूचना मिलते ही रत्नागिरी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने ट्रक में लगी आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था।

ट्रक चालक गिरफ्तार, जांच जारी

पुलिस ने मृतक युवक किरण पागड़े के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने गुस्साई भीड़ को शांत किया और अब आगे की जांच जारी है।

काम की खबर

ठाणे सिविल अस्पताल में आधुनिक एफेरेसिस मशीन की शुरुआत

डेंगू-मलेरिया मरीजों के लिए वरदान साबित होगी तकनीक

> इस मशीन से मरीजों को प्लेटलेट्स और प्लाज्मा की उपलब्धता में सुधार होगा। इस अवसर पर निरीक्षण के दौरान जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार, निवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मृणाल राहुद, डॉ. गिरीश चौधरी और विनोद जोशी मौजूद रहे।
>
> **डॉ. कैलाश पवार, सर्जन, ठाणे जिला सिविल अस्पताल**

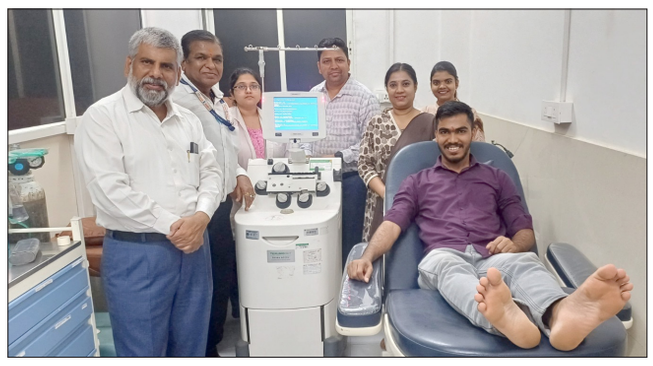

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ठाणे जिला सिविल अस्पताल में एफेरेसिस मशीन स्थापित की गई है, जो डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों के मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। इस मशीन के माध्यम से रक्तदाता से केवल आवश्यक रक्त घटक—प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और लाल कोशिकाएं—निकाली जा सकेंगी, जिससे मरीजों को समय पर जीवनरक्षक प्लेटलेट्स और प्लाज्मा उपलब्ध हो पाएंगे।

प्लेटलेट्स और प्लाज्मा की कमी होगी दूर

डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों में मरीजों के रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से घटती है, जिससे रक्त का थक्का जमने की प्रक्रिया बाधित होती है। आमतौर पर मरीजों के परिजनों को ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स के लिए भटकना पड़ता है, लेकिन एफेरेसिस मशीन की मदद से अब यह प्रक्रिया तेज और आसान हो जाएगी। ब्लड बैंक प्रमुख डॉ. गिरीश चौधरी ने बताया कि अब रक्तदाता के शरीर से केवल आवश्यक अवयव ही निकाले जाएंगे, जिससे बार-बार रक्तदान करने की जरूरत नहीं होगी।

कैसे काम करेगी एफेरेसिस मशीन?

सामान्य रक्तदान में 350 मिलीलीटर रक्त निकाला जाता है, जिसमें प्लेटलेट्स की मात्रा लगभग 5,000 होती है। एफेरेसिस मशीन से एक बार में 50,000 प्लेटलेट्स निकाले जा सकते हैं, जिससे मरीजों को जल्दी राहत मिलेगी। इस मशीन से प्लेटलेट्स, प्लाज्मा, लाल रक्त कणिकाएं और अन्य रक्त घटक अलग करना संभव है। सामान्य रक्तदान के बाद तीन महीने बाद ही दोबारा रक्तदान किया जा सकता है। एफेरेसिस मशीन से प्लेटलेट्स निकालने के बाद एक सप्ताह में दो बार भी प्लेटलेट्स दान करना संभव है।

मरीजों और दाताओं के लिए राहत

अब मरीजों के परिजनों को प्लेटलेट्स के लिए महंगे ब्लड बैंकों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। साथ ही, इच्छुक दाताओं के लिए प्लेटलेट्स दान करना पहले से अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित होगा।

1570 करदाताओं ने पहले ही दिन जमा किया 1.80 करोड़ रुपये का संपत्ति कर

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम (टीएमसी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संपत्ति कर का भुगतान 1 अप्रैल को करदाताओं से स्वीकार करना शुरू किया है। इसके तहत 1,570 जागरूक ठाणे करदाताओं ने पहले ही दिन 1.80 करोड़ रुपये का संपत्ति कर जमा किया, जिससे नगर निगम को अच्छी शुरुआत मिली है।

संपत्ति कर संग्रहण केंद्र पर भी सुविधा

साथ ही, ठाणे के वार्ड कार्यालय स्थित संपत्ति कर संग्रहण केंद्रों पर भी संपत्ति कर जमा करने की सुविधा शुरू की गई है। नगर निगम ने यह भी जानकारी दी कि सभी करदाता सोमवार से शनिवार तक प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक किसी भी संग्रहण केंद्र पर अपना संपत्ति कर जमा कर सकते हैं।

ऑनलाइन भुगतान की सुविधा

संपत्ति कर भुगतान के लिए नगर निगम ने करदाताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर एसएमएस भेजने की प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें करदाताओं को ऑनलाइन भुगतान की सुविधा दी गई है। एसएमएस में करदाताओं को संपत्ति कर डाउनलोड करने और प्रिंट करने का लिंक भी दिया गया है, जिससे वे इंटरनेट के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

ठाणे जिला परिषद ने लू से बचने की अपील की

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

वर्तमान में बढ़ती गर्मी से ठाणे जिला में भी लोग परेशान हो रहे हैं। इस गर्मी से बचने के लिए ठाणे जिला परिषद ने नागरिकों से हीटस्ट्रोक (लू) से बचने की अपील की है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे ने नागरिकों से आवश्यक सावधानियां बरतने का आग्रह किया है।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

शहर अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभागयांचे कार्यालय

ई- निविदा क्र. २८ (२०२४-२५)

उल्हासनगर महानगरपालिका शहरा मधील खालील नमुद कामे योग्य वर्गातील ठेकेदाराकडून निविदा प्रणाली पध्दतीनुसार महानगरपालिकेच्या अटी व शरतीस अधिन राहून दिनांक ०२/०४/२०२५ रोजी निविदा मागविण्याकरीता प्रसिध्द करण्यांत येत आहे. सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती **https://mahatenders.gov.in/** या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

अ. क्र.	निविदा क्रमांक	कामाचे नांव		निविदा रक्कम (जी.एस.टी वगळून)	इसारा रक्कम	कालावधी	वर्गवारी
०१	उमपा/साबांवि/ नोटीस / २०२४-२५/२८	उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रातील मुलभूत सोयी सुविधांचा विकास योजनेअंतर्गत विविध कामे करणेबाबत.		४,०६,७७,९६६/-	२,१०,०००/	१२० दिवस	NA
		१	उल्हासनगर ३ मधील स्मशान भूमी येथे सीसी फुटपाथ नाला बनविणे.	१००००००			
		२	उल्हासनगर १ मधील स्मशान भूमी फकार मंडळी चौक जवळ सीसी फुटपाथ नाला बनविणे,	१००००००			
		३	उल्हासनगर १ मधील झुलेलाल मंदीर जवळ सी सी फुटपाथ नाला बनविणे,	१००००००			
		४	उल्हासनगर १ मधील टिळक नगर वॉटर टैंक जवळ सी सी फुटपाथ नाला बनविणे,	१००००००			
		५	डोलूराम दरबार जवळ सी सी फुटपाथ नाला बनविणे.	१००००००			
		६	प्रभाग क्र. ११ मधील मधू कॉम्पलेक्स बैरेक नं १००० मध्ये सी सी फुटपाथ नाला बनविणे,	१००००००			
		७	प्रभाग क्र. ०६ बेरेक नं २४५, २३० मध्ये नाला बनविणे,	१००००००			
		८	प्रभाग क्र. ६ साई ज्योत अपार्टमेंट मध्ये सी सी फुटपाथ नाला बनविणे,	१००००००			
		९	उल्हासनगर ३ मधील सती अपार्टमेंट जवळ सी सी फुटपाथ नाला बनविणे	१००००००			
		१०	प्रभाग क्र. ७ मधील हानुमान नगर मध्ये कल्बर्ट बसविणे.	१००००००			
		११	प्रभाग क्र. ६ मधील चांदणी नाकेंट सनसार दुपट्टा जवळ सी सी फुटपाथ बनविणे	१००००००			
		१२	नवीन डिंगवानीनी हाउस बेरेक नं २४५, २५१ येथे सी सी फुटपाथ नाला बनविणे,	१००००००			
		१३	उल्हासनगर ३ मधील समशान भुमी मध्ये लाल माती टाकणे व झाडे लावणे	१००००००			
		१४	उल्हासनगर १ मधील समझान भूमी मध्ये लाल माती टाकणे व झाडे लावणे.	१००००००			
		१५	प्रभाग क्र. ६ मधील बरेक नं २२४ मध्ये सी सी फुटपाथ नाला बनविणे,	१००००००			
		१६	उल्हासनगर ३ मधील रामधनी गुप्ता हाऊस ते विरेंद्र वर्मा हाऊस आणि सिमा यादव हाऊस ते मंगेश हाऊस सेंच्युरी गाउंड जवळ सीसी रोड नाला बनविणे,	१००००००			
		१७	प्रभाग क्र. ६ मधील भाजी मार्केट जवळ सी सी रोड नाला बनविणे	१००००००			
		१८	उल्हासनगर ३ मध्ये विविध ठिकाणी बैंचेस बसविणे,	१००००००			
		१९	प्रभाग क्र.६ मधील बेरेक नं २३३, २०३ मध्ये सी सी रोड नाला बनविणे,	१००००००			
		२०	उल्हासनगर महानगरपालिका च्या मागे सीसी रोड नाला बनविणे,	१००००००			
		२१	उल्हासनगर ३ मधील सपना गार्डन मध्ये लाल माती टाकणे व झाडे लावणे,	१००००००			
		२२	उल्हासनगर १ मधील गोल मैदान मध्ये लाल माती टाकणे व झाडे लावणे	१००००००			
		२३	टाउन हॉल जवळील पप्पू गार्डन विकसित करणे.	१००००००			
		२४	प्रभाग क्र. ५ मधील बेरेक ने ४८५ मध्ये ड्रेन व सी सी पैसेज बनविणे	१००००००			
		२५	प्रभाग क्र. ५ मधील बेरेक नं ४८७ च्या मागे बनविणे.	१००००००			
		२६	प्रभाग क्र. ५ मध्ये पीसीआय न्यूज च्या समोर चेंबरचे काम करणे	१००००००			
		२७	प्रभाग क्र. ५ मधील बेरेक नं ४८६ मध्ये चेंबर बनविणे.	१००००००			
		२८	प्रभाग क्र. ५ मधील बेरेक नं ४८७ मध्ये नाली रिपेरीग करणे.	१००००००			
		२९	प्रभाग क्र. ५ मधील जयशंकर आश्रामच्या समोर चेंबर रिपेरींग करणे.	१००००००			
		३०	प्रभाग क्र. ५ मधील जयशंकर आश्रामच्या समोर चेंबर व सी सी रिपेरींग करणे.	१००००००			
		३१	प्रभाग क्र. ५ मधील चेंबर व सी सी पॅसेज करणे.	१००००००			
		३२	प्रभाग क्र. ५ मधील शितला मंदिर च्या समोरील रोडवर लिकेज चेंबर आणि टॉयलेट बनविणे.	१००००००			
		३३	प्रभाग क्र. ५ मधील बेरेक नं ४९१ मध्ये चेंबर आणि सी सी पॅसेज बनविणे.	१००००००			
		३४	प्रभाग क्र. ५ मधील ओम शांती धर्मशाळे समोर बेरेक नं ४९२ मध्ये ३ मोठे	१००००००			
		३५	चेंबर आणि सी सी पॅसेज बनविणे.	१००००००			
		३६	प्रभाग क्र. ५ मधील सदगुरु टॉवर जवळील नाली रिपेरींग करणे,	१००००००			
		३७	उल्हासनगर महानगरपालिका जवळ सी सी पेव्हमेंट ड्रेन बनविणे.	१००००००			
		३८	सपना गार्डन ब्लिडून्स पार्क जवळ सी सी पेव्हमेंट ड्रेन बनविणे.	१००००००			
		३९	पप्पू गार्डन टाउन हॉल जवळ सी सी पेव्हमेंट ड्रेन बनविणे.	१००००००			
		४०	चिलइन्स पार्क सपना गार्डनचे विकसीत करणे,	१००००००			
		४१	महानगरपालिका प्रयोगशाळेजवळ नाली बनविणे.	१००००००			
		४२	सी ब्लॉक गुरुद्वारा जवळील गार्डनचे विकसीत करणे,	१००००००			
		४३	प्रभाग क्र. ७ मधील दुर्गा नगर येथे नाला बनविणे.	१००००००			
		४४	शांतीनगर समशान भूमीचे सुशोभिकरण करणे आणि गवत लावणे.	१००००००			
		४५	जुने टेलिफोन ऑफिस जवळ सी सौ पेव्हमेंट आणि ड्रेन बनविणे,	१००००००			
		४६	प्रभाग क्र. ४ मधील लाबू तबेला जवळ सी सी पेव्हमेंट आणि ड्रेन बनविणे.	१००००००			
		४७	प्रभाग क्र.५ मधील साई बाबा मंदीर जवळील गार्डन विकसीत करणे.	१००००००			
		४८	प्रभाग क्र. १२ मधील आर्शिवाद सोसायटी बैरेक नं १०८० परिसरात सी सी नाली करणे.	१००००००			
				४८०००००/-			

सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती https://mahatenders.gov.in/ या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

जा क्रः उमपा/ पीआरओ /०१/२०२५
दिनांक ०१/०४/२०२५

सही/-
कार्यकारी अभियंता (साबांवि)
उल्हासनगर महानगरपालिका

25 स्थानों पर अस्थायी पेयजल सुविधा शुरू

मनपा और सामाजिक संस्थाओं की गर्मी से राहत देने की पहल

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

बढ़ती गर्मी से राहत दिलाने के लिए ठाणे महानगरपालिका (टीएमसी) ने विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से शहर के 25 स्थानों पर अस्थायी पेयजल सुविधा शुरू की है। यस चैरिटेबल ट्रस्ट, जेवीएम चैरिटेबल फाउंडेशन और समर्थ भारत ने इस पहल में सहयोग दिया है। इस सुविधा का उद्घाटन मंगलवार को ठाणे स्टेशन परिसर स्थित सेटिस के नीचे किया गया।

गर्मी प्रबंधन के तहत विशेष योजना

शहर में बढ़ते शहरीकरण और बढ़ती गर्मी को नियंत्रित करने के लिए पिछले वर्ष ठाणे के लिए एक व्यापक ताप प्रबंधन योजना तैयार की गई थी। यह योजना महाराष्ट्र सरकार, मनपा और ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद द्वारा संयुक्त रूप से बनाई गई थी।

आयुक्त सौरभ राव के निर्देश पर जागरूकता अभियान

गर्मी से निपटने के लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार महानगरपालिका क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके तहत नगर निगम क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

किन-किन स्थानों पर सुविधा उपलब्ध

अस्थायी पेयजल सुविधा ठाणे स्टेशन, कोपरी ब्रिज, आइस फैक्ट्री, आशर आईटी पार्क, किसन नगर स्कूल, एमआईडीसी-अंबिका नगर, हजूरी गांव, पासपोर्ट कार्यालय बस स्टॉप, तीन हात नाका, कोलशेत रोड नाका, बालकुम नाका, मजीवाड़ा नाका, कलवा स्टेशन रोड, कौसा तालाब, वफा पार्क, अमृत नगर पुलिस चौकी-मुंब्रा, लोकमान्य डिपो, रबोडी नाका, वर्तक नगर कोर्ट नाका और शास्त्री नगर नाका समेत 25 प्रमुख स्थानों पर उपलब्ध कराई गई है।

आमदार कुमार आयलानी ने किया मध्यवर्ती अस्पताल का दौरा

डॉक्टरों और कर्मचारियों से मुलाकात, समस्याओं के समाधान का आश्वासन

सुरेश चौहान । उल्हासनगर

आमदार कुमार आयलानी ने मंगलवार को मध्यवर्ती अस्पताल का दौरा किया और शल्य चिकित्सक डॉ. मनोहर बनसोडे व अन्य कर्मचारियों से मुलाकात कर अस्पताल से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि डॉक्टरों और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर वे उच्च अधिकारियों और शासन स्तर पर चर्चा कर समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। आमदार कुमार आयलानी ने कहा कि मध्यवर्ती अस्पताल न केवल उल्हासनगर बल्कि कर्जत, कसारा जैसे ग्रामीण इलाकों के मरीजों के लिए भी एक महत्वपूर्ण चिकित्सा केंद्र है।

डॉ. बनसोडे के कार्यों की सराहना

आमदार ने अस्पताल के मुख्य शल्य चिकित्सक डॉ. मनोहर बनसोडे की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में अस्पताल में कई सकारात्मक परिवर्तन और विकास कार्य हुए हैं। इस अवसर पर डॉक्टरों और कर्मचारियों द्वारा आमदार आयलानी का भव्य स्वागत किया गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक के 90 वर्ष पूरे होने पर कस्टमाइज्ड माई स्टैम्प का अनावरण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी राष्ट्र के प्रति समर्पित सेवा के 90 वर्षों का ऐतिहासिक मील का पत्थर पूरा किया। इस महत्वपूर्ण अवसर को और भी यादगार बनाने के लिए डाक विभाग ने आरबीआई के 90 वर्षों के प्रतीक चिह्न के साथ एक कस्टमाइज्ड 'माई स्टैम्प' का अनावरण किया, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका और विरासत को दर्शाता है। यह कस्टमाइज्ड 'माई स्टैम्प' भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी किया गया जिनमें राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार, डाक विभाग की सचिव वंदिता कौल, महानिदेशक (डाक) जितेंद्र गुप्ता एवं मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्किल अमिताभ सिंह आदि शामिल थे ।

महायुति के पूर्व नगरसेवकों ने की आयुक्त से मुलाकात

विकास कार्यों और समस्याओं पर हुई चर्चा

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

मंगलवार को महायुति के पूर्व नगरसेवकों और विधायक कुमार आयलानी ने मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात कर शहर के विभिन्न विकास कार्यों और नागरिक समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान दिया गया। बैठक में विधायक कुमार आयलानी ने पानी के बिल की अदायगी के लिए अभय योजना लागू करने, रेगुलराइजेशन प्रक्रिया को तेज करने, अंडरग्राउंड सीवेज का काम जल्द पूरा कर कांक्रीटीकरण करने, सड़कों के गड्ढे भरने, रोड डिवाइडर का सुंदरीकरण और स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टी लगाने, हॉकर्स ज़ोन को चिन्हित करने, सीसीटीवी प्रोजेक्ट के लिए की जा रही खुदाई के बाद कांक्रीटीकरण करने जैसी मांगें रखीं। इसके अलावा, सर्वे नंबर 188 पर डंपिंग ग्राउंड को हटाने, यूएमसी की संपत्तियों को अवैध कब्जों से मुक्त करने, आरोग्य केंद्रों पर नियमित दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करने, मानसून से पहले नालों की सफाई करने और शहर में गार्डन विकसित करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

पानी और मंदिरों से जुड़े मुद्दे उठाए

विधायक कुमार आयलानी ने पानी के बिलों में बढ़ोतरी न करने की मांग की, जिसके जवाब में आयुक्त ने एक माह के भीतर इस पर निर्णय लेने की बात कही। साथ ही, जिन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बाधित है, वहां निशुल्क पानी के टैंकर उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। इसके अलावा, विधायक ने सुझाव दिया कि मंदिरों को गरीब जनता की सहायता के लिए बनाया गया है, इसलिए नगर निगम को उनसे कोई चार्ज नहीं लेना चाहिए।

मुंबई सीरियल ब्लास्ट केस

मेमन परिवार को संपत्तियां खाली करने का आदेश

32 साल बाद टाडा कोर्ट का फैसला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के मामले में एक विशेष टाडा अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने टाइगर मेमन, याकूब मेमन और उनके परिवार की 14 अचल संपत्तियों को केंद्र सरकार को सौंपने का आदेश दिया है। इनमें कई फ्लैट, खाली प्लॉट, ऑफिस और दुकानें शामिल हैं। इन संपत्तियों को 1994 में अटैच किया गया था। फिलहाल ये संपत्तियां बॉम्बे हाईकोर्ट के कोर्ट रिसीवर के पास हैं। विशेष न्यायाधीश वी.डी. केदार ने 26 मार्च को यह आदेश दिया, जसकी प्रति मंगलवार को प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि कोर्ट रिसीवर को इन 14 संपत्तियों से मुक्त किया जाता है। संपत्तियों को बेचने या किसी अन्य कानूनी तरीके से निपटाने के बाद जो भी खर्चा होगा, उसे सक्षम प्राधिकारी को देना होगा।

टाइगर मेमन की कितनी प्रॉपर्टी ?

टाइगर मेमन बम धमाकों का मुख्य आरोपी है और वह अभी भी फरार है। उसके भाई याकूब मेमन को इस मामले में दोषी पाया गया था और उसे 2015 में फांसी दी गई थी। जिन संपत्तियों को सरकार को सौंपा जाएगा, उनमें बांद्रा (पश्चिम) के अलमेडा पार्क में याकूब का फ्लैट, सांताक्रूज में एक खाली प्लॉट और फ्लैट, कुर्ला में दो फ्लैट, मोहम्मद अली रोड पर एक ऑफिस, डोंगरी में एक दुकान, फ्लैट और जमीन, माहिम में एक खुला प्लॉट, मनीष मार्केट में तीन दुकानें, जावेरी बाजार में एक इमारत और प्लॉट, और माहिम में एक गैरेज शामिल है। इन संपत्तियों के मालिक अब्दुल रज्जाक मेमन, इस्सा मेमन, याकूब मेमन और रुबीना मेमन हैं।

परिवार को प्रॉपर्टी खाली करने का आदेश

संपत्तियों को खाली करने के नोटिस मेमन परिवार के 13 सदस्यों को भेजे गए थे, जिनमें टाइगर मेमन भी शामिल था। लेकिन किसी ने भी इस पर कोई जवाब नहीं दिया। केंद्र सरकार ने स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स एक्ट (SAFEMA) के तहत 7 जनवरी, 2025 को यह याचिका दायर की थी। सरकार का कहना है कि इस अथॉरिटी का काम स्मगलरों और ड्रग तस्करों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों का पता लगाना और उन्हें जब्त करना है। SAFEMA एक कानून है जो सरकार को स्मगलिंग और विदेशी मुद्रा के हेरफेर से कमाए गए पैसे से खरीदी गई संपत्तियों को जब्त करने की अनुमति देता है।

ऐसे जब्त हुई थी टाइगर मेमन की प्रॉपर्टी

सरकार ने बताया कि टाइगर मेमन के खिलाफ 1992 में महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम (COFEPOSA) के तहत एक डिटेंशन ऑर्डर जारी किया था। COFEPOSA एक कानून है जो सरकार को स्मगलिंग जैसी गतिविधियों को रोकने के लिए लोगों को हिरासत में लेने की अनुमति देता है। इसके बाद, 1993 में SAFEMA के तहत अधिकारियों ने उसकी कई संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया। लेकिन 1994 में टाडा अदालत ने इन संपत्तियों को अटैच कर दिया और एक कोर्ट रिसीवर को उनकी कस्टडी दे दी। टाडा एक ऐसा कानून था जिसका इस्तेमाल आतंकवाद से जुड़े मामलों में किया जाता था।

प्रॉपर्टी रिलीज के लिए हुईं थीं याचिकाएं

पिछले कुछ सालों में जिन लोगों की संपत्तियां जब्त की गईं, उन्होंने उन्हें वापस पाने के लिए कई अदालतों में याचिकाएं दायर कीं। लेकिन उनकी याचिकाएं खारिज कर दी गईं। अगस्त 2024 में अदालत ने माहिम की अल हुसैन बिल्डिंग में स्थित तीन फ्लैटों को केंद्र सरकार को सौंपने का आदेश दिया था। ये फ्लैट कभी मेमन परिवार के थे। इन फ्लैटों का संबंध टाइगर, याकूब और उनके रिश्तेदारों से था, जिनमें उनकी मां हनीफा (जिन्हें बरी कर दिया गया था), भाभी रुबीना (जो आजीवन कारावास की सजा काट रही हैं), और पत्नी शबाना (जो फरार हैं) शामिल हैं। हाउसिंग सोसाइटी ने फ्लैटों के रखरखाव के बकाया और पुनर्विकास के लिए याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया और उन्हें सक्षम प्राधिकारी से संपर्क करने का निर्देश दिया।

सैफ अली खान हमला केस

कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका पर पुलिस से मांगा जवाब

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला मामले में आरोपी शरीफुल की जमानत याचिका पर एक अप्रैल को सुनवाई होनी थी लेकिन अब इसे 4 अप्रैल तक स्थगित कर दी गई। दरअसल, पुलिस ने कोर्ट में अपना जवाब दाखिल नहीं किया था, जिसकी वजह से कार्यवाही में देरी हुई। अगली सुनवाई अब 4 अप्रैल को निर्धारित की गई है। कोर्ट ने पुलिस को बेल एप्लीकेशन के संबंध में अपना जवाब सबमिट करने का निर्देश दिया है। अपनी याचिका में शरीफुल इस्लाम उर्फ शहजाद ने खुद को निर्दोष बताया है और दावा किया है कि उसके खिलाफ मामला मनगढ़ंत है। अपने वकील अजय गवली के माध्यम से दिए आवेदन में तर्क दिया गया है कि एफआईआर अनुचित तरीके से दर्ज की गई थी।

पुलिस ने अब तक फाइल नहीं की चार्जशीट

शहजाद ने यह भी कहा कि उसने जांच में पूरा सहयोग किया है और सभी आवश्यक सबूत पहले से ही पुलिस के पास है। इसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ मुश्किल है। फिलहाल यह मामला बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहा है और पुलिस के चार्जशीट दाखिल करने के बाद इसे सेशन कोर्ट में ट्रांसफर कर दिए जाने की उम्मीद है। अभी तक बांद्रा पुलिस चार्जशीट फाइल नहीं की है।

वहीं, सैफ पर जानलेवा हमले मामले में पकड़े गए संदिग्ध आकाश कनौजिया ने बॉम्बे हाईकोर्ट से इंसाफ की गुहार लगाई है। उसका दावा है कि पकड़े जाने की खबर मीडिया में प्रसारित होने के बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया। यहां तक कि उसकी शादी भी टूट गई। अब रिश्तेदारों ने भी उससे दूरी बना ली है। नौकरी के लिए दर-दर भटकने के बाद भी कोई काम नहीं मिल रहा है। सामाजिक और आर्थिक नुकसान होने के बाद अब उसके पास आत्महत्या करने के सिवाय कोई रास्ता नहीं बचा है। उसके आत्महत्या कर लेने के विचार आने की जानकारी लगने के बाद एक समाजसेवी ने वकील के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर करवाई है।

बुच के खिलाफ प्राथमिकी के आदेश पर रोक बढ़ी

मामले की अगली सुनवाई 7 मई को होगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को SEBI की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और 5 अन्य के खिलाफ FIR आदेश पर रोक बढ़ा दी है। हाईकोर्ट ने पिछले महीने भी इस आदेश पर अंतरिम रोक लगाई थी। जस्टिस शिवकुमार डिगे ने कहा कि शिकायतकर्ता ने मामले में हलफनामा दाखिल किया है और बुच और अन्य आरोपियों को इसकी जांच करने के लिए समय दिया है। उन्होंने कहा कि पहले दी गई अंतरिम राहत अगले आदेश तक जारी रहेगी। वहीं मामले की अगली सुनवाई 7 मई तक के लिए स्थगित कर दी गई है। मार्च में बुच समेत SEBI के पांच शीर्ष अधिकारियों ने स्पेशल कोर्ट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था।

1 मार्च को मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने दिया था FIR का आदेश

1 मार्च को मुंबई की एक स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने माधबी पुरी बुच के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया था। शेयर मार्केट फ्रॉड और नियामक उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने माधबी के अलावा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ भी केस दर्ज करने का आदेश दिया था।

प्रशांत कोरटकर की जमानत याचिका खारिज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में आपत्तिजनक बयान देने और इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकी देने के मामले में प्रशांत कोरटकर की जमानत याचिका मंगलवार को कोल्हापुर जिला कोर्ट ने खारिज कर दी। अब, कोरटकर के वकील को कोल्हापुर सेशन कोर्ट में नई जमानत याचिका दाखिल करनी होगी। रविवार को कोल्हापुर जिला कोर्ट ने कोरटकर को 14 दिन की न्यायिक कस्टडी में भेजने का आदेश दिया था। इसके बाद कोरटकर के वकील ने जमानत याचिका को कोर्ट में पेश किया।

सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कोरटकर के फरार होने की आशंका जताई, जबकि कोरटकर के वकील ने कोर्ट को यह आश्वासन दिया कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे और फरार नहीं होंगे। हालांकि, दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। कोरटकर, जो छत्रपति शिवाजी महाराज पर विवादित बयान देने के बाद फरार हो गए थे, को करीब एक माह बाद गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सुरक्षा कारणों से कलंबा जेल की अंडा सेल में रखा गया है।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

निविदा सूचना संख्या ईई/पूर्व/एमएसआईबी/ई-टेंडर/यूई/10/2024-25

कार्यकारी अभियंता (पूर्व) प्रभाग, मुंबई झोपड़पट्टी सुधार बोर्ड, (म्हाडा की इकाई) कमरा संख्या 536, चौथी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400 051 फोन नंबर (022) 66405251 मुंबई उपनगरीय जिले में उपयुक्त वर्ग में म्हाडा/पीडब्ल्यूडी के साथ पंजीकृत बेरोजगार इंजीनियरों से बीआई (प्रतिशत दर) के रूप में 02 कार्यों के लिए ई-टेंडर आमंत्रित कर रहे हैं। विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज उपलब्ध होंगे और महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किए जा सकते हैं। निविदा दस्तावेज की बिक्री दिनांक 04/04/2025, सुबह 10.05 बजे से शुरू होकर दस्तावेज़ बिक्री की अंतिम तिथि 11/04/2025, शाम 6.15 बजे तक होगी। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सकता है। सक्षम प्राधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/234

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (पूर्व),
एम एस आई बी बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुख्य अभियंता (आरडीएस और टीआर)

ई-निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज संख्या	2025_MCGM_1166656
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगर पालिका
विषय	वर्ली के डामर प्लांट में बैच मिक्स प्लांट के प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर (P.L.C.) के साथ ऑटोमेशन कंट्रोल सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (S.I.T.C.) के लिए निविदा आमंत्रित करना।
ई-निविदा की लागत (अनुमानित लागत)	रु.21,16,450,00 (जीएसटी को छोड़कर)
निविदा जांच शुल्क	रु. 3630+18% यानी रु.4285/-
ईएमडी	रु.24,975/-
निविदा जारी करने और बेचने की तिथि	02/04/2025 11:00 बजे से
निविदा बेचने की अंतिम तिथि और समय	10/04/2025 16:00 बजे तक
पैकेट ए और बी जमा करना (ऑनलाइन)	10/04/2025 16:00 बजे तक
पूर्व-बोली बैठक	एनए
पैकेट ए खोलना	11/04/2025 16.15 बजे के बाद
पैकेट बी खोलना	11/04/2025 16.20 बजे के बाद
वेबसाइट	http://mahatender.gov.in
संपर्क व्यक्ति	श्री शगुन पवार (एई):-8879646460 श्री. विश्वास धेंडे (एसई):- 9920978240 श्री. विशाल लोटेकर (जेई): 7058555100
संपर्क के लिए पता	सहायक अभियंता डामर प्लांट, एस.के. अहिरे मार्ग, मेफेयर होटल के सामने, वर्ली, मुंबई-400 025
बोली खोलने का स्थान	सहायक अभियंता डामर प्लांट, एस.के. अहिरे मार्ग, मेफेयर होटल के सामने, वर्ली, मुंबई-400 030 के कार्यालय में ऑनलाइन।

यह निविदा दस्तावेज हस्तांतरणीय नहीं है।
बीएमसी बिना कोई कारण बताए उपरोक्त विषय के लिए प्राप्त किसी भी आवेदन को स्वीकार करने या किसी या सभी आवेदन को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

हस्ता./-
सहायक अभियंता
(डामर प्लांट)

पीआरओ/09/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

सीएम फडणवीस ने महाबलेश्वर पर्यटन महोत्सव के बोध चिन्ह का किया लोकार्पण

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को मुंबई में महाबलेश्वर पर्यटन महोत्सव के बोध चिन्ह का लोकार्पण किया। यह महोत्सव महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम और स्थानीय जिला प्रशासन के सहयोग से 7-9 मई 2025 तक सातारा जिले के महाबलेश्वर में आयोजित किया जाएगा।

महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन 2 मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे, जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, पर्यटन मंत्री शंभूराजे देसाई और पर्यटन राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक भी शामिल होंगे।

महोत्सव का उद्देश्य

यह महोत्सव पर्यटकों को स्थानीय कला, संस्कृति, और खाद्य संस्कृति से परिचित कराते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखता है। तीन दिवसीय महोत्सव में लोक संस्कृति के साथ-साथ प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव अतुल पाटने, एमटीडीसी के प्रबंध निदेशक मनोज सूर्यवंशी, पर्यटन निदेशक डॉ. बीएन पाटिल, और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा में 75 की उम्र में रिटायरमेंट का नियम नहीं : बावनकुले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी में ऐसा कोई नियम नहीं है कि किसी व्यक्ति को 75 साल की उम्र में रिटायर होना पड़ेगा। यह देश की जनता है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का फैसला करेगी, न कि संजय राउत। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के इस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें राज्यसभा सांसद ने पीएम मोदी के नागपुर में आरएसएस मुख्यालय के दौरे को रिटायरमेंट प्लान बताया था। बावनकुले ने राउत के इस बयान को राजनीतिक स्टंट बताया था।

'भारतीय संविधान भी इस तरह का कोई प्रावधान नहीं'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से संजय राउत के दावे को खारिज किए जाने के एक दिन बाद बावनकुले ने 'एक्स' पर कहा, 'भाजपा में ऐसा कोई नियम नहीं है जिससे पीएम मोदी को 75 साल की उम्र के बाद राजनीति से रिटायर होना पड़ेगा। ऐसा कोई फैसला कभी भी नहीं हुआ है।' बावनकुले ने आगे कहा कि भारतीय संविधान भी इस तरह का कोई प्रावधान नहीं करता है।

'भाजपा के प्रति अपनी दुश्मनी में अंधे राउत'

उन्होंने कहा, 'पूर्व भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी 79 वर्ष की आयु तक प्रधानमंत्री रहे, जबकि मोरारजी देसाई (83) और डॉ. मनमोहन सिंह (81) भी 75 वर्ष की आयु के बाद भी प्रधानमंत्री रहे। हालांकि, भाजपा के प्रति अपनी दुश्मनी में अंधे राउत यह भूल गए हैं।'

'प्रधानमंत्री का कार्यकाल चुनावी जनादेश और जनता के समर्थन से तय होता है'

बावनकुले ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का कार्यकाल चुनावी जनादेश और जनता के समर्थन से तय होता है, न कि राउत जैसे व्यक्तियों से। उन्होंने कहा, 'इस देश की जनता प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के कार्यकाल का फैसला करती है, न कि संजय राउत या विपक्ष।'

'मोदी 2029 के बाद भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे'

भाजपा नेता ने कहा कि मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है और यह सपना उनके नेतृत्व में साकार होगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा था कि मोदी प्रधानमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल में हैं और इस साल सितंबर में 75 वर्ष के हो जाएंगे। वे 2029 के बाद भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

संघ-भाजपा में तालमेल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संघ मुख्यालय की यात्रा, भले ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरे होने के अवसर पर हो, इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। यह यात्रा यह संकेत देती है कि भाजपा और संघ के बीच जो खटास पहले देखने को मिली थी, वह अब दूर हो गई है। यह इस बात का भी संकेत है कि आने वाले समय में पार्टी और सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। नरेंद्र मोदी ने नागपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया, लेकिन उनका संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा का विषय बन गया। अटल बिहारी वाजपेयी के बाद मोदी दूसरे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने संघ मुख्यालय का दौरा किया। पिछले आम चुनाव में भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा यह बयान दिया गया था कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है, जिसके चलते संघ और भाजपा के रिश्तों में कुछ खटास आई थी। यह कहा गया कि पार्टी अपनी चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, इसका कारण संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता था। लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य हुए, और इसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली सफलता में संघ कार्यकर्ताओं के योगदान को अहम माना गया। अब मोदी की संघ मुख्यालय यात्रा से यह स्पष्ट हो गया है कि दोनों के बीच अब बेहतर तालमेल है और यह संकेत है कि भविष्य में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ का दृष्टिकोण दिखाई दे सकता है। यह भी अनुमान जताया जा रहा है कि पार्टी अब अपने विचारधारात्मक स्रोत से बेहतर तालमेल के साथ आगे बढ़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज से वट वृक्ष के रूप में फैल चुका है और इसकी जड़ें भारतीय संस्कृति में गहरी हैं। हालांकि भाजपा और संघ कुछ मुद्दों पर असहमत हो चुके हैं, लेकिन आम चुनाव के बाद संघ प्रमुख ने जो नसीहत दी थी, उसका असर पार्टी पर पड़ा और इससे भाजपा को कुछ राज्यों में चुनावी लाभ हुआ। प्रधानमंत्री मोदी की नागपुर यात्रा से यह भी स्पष्ट हो गया है कि अब संघ परिवार की भूमिका सरकार और पार्टी में बढ़ सकती है। इसके अलावा, भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बाद अब सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ गई है, और इस कारण भाजपा को अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए संघ पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ सकता है। भाजपा को आने वाले समय में पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में चुनावी चुनौतियों का सामना करना होगा, जहां संघ अपनी जड़ों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। ऐसे में भाजपा को अपनी सफलता को सुनिश्चित करने के लिए संघ की मदद की आवश्यकता होगी।

कमल किशोर गोयनका : मत-भिन्नता के बावजूद

प्रदीप पन्त

आज एक अजीब अराजक समय है। खासतौर पर बुद्धिजीवी वर्ग में परस्पर वैमनस्य बढ़ता जा रहा है। जो हमारा दोस्त नहीं है, उसे हम अपना दुश्मन मान बैठते हैं। लेकिन आज भी ऐसे कुछ लोग मिल जाते हैं जो राग-द्वेष, वैमनस्य, वैचारिक मतभेदों और स्वभाव की भिन्नता को दूसरे के प्रति आदर भाव और मैत्री के रास्ते में आड़े नहीं आने देते। बीते 31 जुलाई 2013 को नई दिल्ली के ऐवान-ए-ग़ालिब के मंच का दृश्य याद आ रहा है। 'हंस' का वार्षिक स्थापना दिवस समारोह था और मंच पर राजेन्द्र यादव के साथ गोविन्दाचार्य बैठे थे। वैचारिक स्तर पर कहाँ राजेन्द्र यादव और कहाँ गोविन्दाचार्य। इसी तरह आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के दो प्रिय शिष्यों डॉ. नामवर सिंह और आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री में कितनी घनिष्ट मैत्री रही है, यह सब जानते हैं, हालांकि डॉ. नामवर सिंह युवावस्था से ही कम्युनिस्ट थे, पार्टी के कार्ड होल्डर थे, पार्टी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव भी लड़े थे और अपने तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद आज भी कम्युनिस्ट तो हैं ही, निर्मल वर्मा कई वर्षों तक भले ही कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य रहे, किन्तु बाद में उनका साम्यवाद या कम्युनिज्म से मोहभंग हो गया, बल्कि वे साम्यवाद विरोधी ही हो गए। इसके बावजूद घोषित कम्युनिस्ट भीष्म साहनी से उनकी जो अटूट मैत्री थी, वह अंत तक बनी रही। स्वभाव में भिन्नता होते हुए भी घनिष्ठ मैत्री के उदाहरण कमलेश्वर और मोहन राकेश हैं। कमलेश्वर यार बाश थे, हरेक से खुल कर मिलते थे, लेकिन मोहन राकेश का जहाँ तक सम्बन्ध है, कमलेश्वर के ही शब्दों में वे 'नकचढ़े' थे, पर दोनों के बीच दोस्ती में राकेश का नकचढ़ापन कभी आड़े नहीं आया। इसी पृष्ठभूमि में डॉ. कमल किशोर गोयनका के साथ अपने सम्बन्धों को लेकर अक्सर सोचता हूँ। गोयनका कब से दिल्ली में हैं, पता नहीं, लेकिन हैं, वह भी दिल्ली में बहुत पहले से। शायद संघ परिवार के अन्य संगठनों और भाजपा से भी उनकी काफी निकटता हो। और मैं? संघ का विरोधी, संघ परिवार का विरोधी, भाजपा को नापंसद करने वाला। कुछ-कुछ वामपंथी हूँ, काफी हद तक जवाहर लाल नेहरू की नीतियों का समर्थक और गाँधी के प्रति मेरे मन में गहरा आदर भाव है। ऐसी स्थिति में कम से कम आज के अराजक, राग-द्वेष और वैमनस्य वाले दौर में डॉगोय नका से मेरे सम्बन्ध होने ही नहीं चाहिए, लेकिन बिना लाग-लपेट के कहना चाहूँगा कि सम्बन्ध हैं, अच्छी-खासी दोस्ती भी है उनके साथ। कई वामपंथी मित्रा इससे चकित होंगे। हो सकता है कि संघ-समर्थक लेखक उन्हें भी सलाह दे कि संघ विरोधी इस व्यक्ति से तुम्हारी दोस्ती का क्या मतलब! लेकिन मुझे लगता है कि अपनी राजनीतिक विचारधारा पर टिके रह कर भी डॉ. गोयनका ऐसी सलाह को न तो कभी तरजीह देंगे और न उसकी परवाह करेंगे। परवाह करनी होती तो वह 'समयान्तर' में लेख क्यों लिखते। हालाँकि उनका जो लेख 'समयान्तर' में प्रकाशित हुआ था, वह दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की अनियमितताओं पर था, एक ऐसे समय में जबकि हिन्दी विभाग पर वामपंथियों का कब्जा था, काफी हद तक अब भी है और 'समयान्तर' के सम्पादक पंकज बिष्ट स्वयं वामपंथी हैं। इसका मतलब यह हुआ कि गोयनका संघ-समर्थक या संघ के पक्षधर होते हुए भी मूलतः लोकतांत्रिक हैं। इसीलिए उन्होंने 'समयान्तर' में लेख भेजा। इसी भांति पंकज बिष्ट भी मूलतः लोकतांत्रिक सिद्ध होते हैं, जिन्होंने लेख प्रकाशित किया। इस प्रकरण में मैं कहीं नहीं हूँ, लेकिन मैं लोकतांत्रिक व्यक्तियों की इज्जत करता हूँ। डॉ. कमल किशोर गोयनका की इज्जत करने का एक अन्य प्रमुख कारण है, प्रेमचन्द पर उनका शोधपूर्ण कार्य खास तौर पर प्रेमचन्द विश्वकोश। उन्होंने प्रेमचन्द के कृतित्व और व्यक्तित्व के परिचित पक्षों को तो रेखांकित किया ही है, उनके कृतित्व और व्यक्तित्व के बहुतेरे अपरिचित पक्षों को भी सामने ले कर आए। जैसे कि प्रेमचन्द की अप्राप्य कहानियों तथा अन्य रचनाओं को सामने लाना, उनके रचना-संसार को कालक्रमानुसार प्रस्तुत करना, उनकी चित्रात्मक जीवनी से पाठकों को परिचित कराना। अन्य शोधपूर्ण कार्य आदि। हाल में प्रेमचन्द की समस्त कहानियों को भी उन्होंने साहित्य अकादमी के लिए कई खण्डों में प्रस्तुत किया है। यह सब तो ठीक। इन पर किसी आपत्ति की गुंजाइश भी नहीं है। थोड़ा-थोड़ा विवाद भी हो सकता है तो ऐसी बातों पर कि कौन कहानी पहले उर्दू में आई, फिर हिन्दी में या कौन कहानी हिन्दी में पहले आई, उर्दू में बाद में। ऐसे ही कुछ अन्य छुटपुट विवाद भी संभव हैं, लेकिन जहाँ कहीं गोयनका ने प्रेमचन्द के व्यक्तित्व के उन पक्षों को छुआ या प्रस्तुत किया जिनकी जानबूझ कर या अनजाने में अनदेखी कर दी गई थी, वहीं गोयनका पर हमले होने लगे। रामविलास शर्मा, शिव कुमार मिश्र, नामवर सिंह, सुधीश पचौरी, विश्वंभरनाथ, उपाध्याय, कुंवरपाल सिंह, वेणुगोपाल जैसे प्रगतिशीलों और जनवादियों ने विरोध की मुहिम चलाई। संक्षेप में विरोध के मुख्य मुद्दे रहे हैं--प्रेमचन्द की गरीबी को लेकर गोयनका ने प्रेमचन्द को बदनाम किया, बेटी की शादी में दहेज देने की बात को उछाल कर गोयनका ने समाज सुधारक प्रेमचन्द की मूर्ति पर हमला किया, उन्होंने प्रेमचन्द के संघर्ष पर कुठाराघात करके उन्हें हिन्दुत्वपूर्ण भारतीयता से जोड़कर उनकी प्रगतिशील छवि को नष्ट करना चाहा। इसके अलावा यह भी अरोप लगाया गया है कि गोयनका ने प्रेमचन्द को हिन्दू या हिन्दुत्ववादी बनाने की कोशिश की है। यहाँ यह भी स्पष्ट कर दूँ कि स्वयं मैंने भी एक लेख में डॉ. गोयनका की आलोचना की है। लेकिन इसके साथ ही मेरा यह भी मानना है कि यदि कोई व्यक्ति किसी बड़ी शख्सियत पर शोध करता है तो कई तरह के दस्तावेज़ उसके हाथों में आ सकते हैं। इन्हें पाठकों के सामने रख देना ही शोधकर्ता की नैतिकता होती है। यहाँ काम गोयनका ने किया है। तय पाठकों को ही करना होता है कि इन दस्तावेज़ों को किस रूप में लें? यह भी कि क्या ऐसे दस्तावेज़ उस शख़्सियत के बुनियादी कार्य पर प्रतिकूल असर डालते हैं? गाँधी और नेहरू को लेकर समय-समय पर तरह-तरह के दस्तावेज़ सामने आते रहे हैं, लेकिन इनसे स्वाधीनता-संघर्ष में उनके योगदान पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। प्रेमचन्द के संदर्भ बुनियादी कार्य है, उनका कथा संसार, जहाँ अपनी ढेरों रचनाओं में वह वंचित-पीड़ितों, दबे-कुचले, लोगों, उस ज़माने में अछूत कहलाने वालों के पक्ष में खड़े नज़र आते हैं। प्रमाण के तौर 'बलिदान' 'लालफीता' 'मुक्ति मार्ग', 'घासवाली', 'सद्गति', 'आगा-पीछा', 'मूठ', 'दूध के दाम', 'जुरमाना', 'लांछन', 'शुद्रा', 'लोकमत का सम्मान', 'कजरी', आदि अनेक कहानियों की चर्चा की जा सकती है। अपने ऐसे ही कथा-संसार, उपन्यासों आदि के कारण प्रेमचन्द अप्रतिम रचनाकार माने जाते हैं। ऐसे में प्रेमचन्द में व्यक्ति के रूप में कुछ कमजोरियाँ नज़र आती हैं, उनमें कुछ अंतर्विरोध दिखाई पड़ते हैं तो यह कोई महत्वपूर्ण बात नहीं है। उदाहरण के लिए, मेरा मानना है कि अधिकांश भारतीय समाज में लड़की के विवाह में दहेज देना पिता की मजबूरी होती है, इसलिए प्रेमचन्द ने भी दहेज दिया तो क्या गुनाह किया। और यदि यह गुनाह है भी तो, स्वयं गायेनका भी मानते होंगे कि इससे प्रेम चन्द के 'उपन्यास-सम्राट' अथवा 'कथा-सम्राट' होने पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

जीवन मंत्र

ईश्वर की परिकल्पना

सृष्टि के प्रारम्भ से जब मनुष्य ने सत्य के विषय में सोचना प्रारंभ किया, तब से उसने ईश्वर की अपनी परिभाषा गढ़ना और अनुमान करना भी प्रारंभ कर दिया। निस्संदेह मनुष्य के बौद्धिक और मानसिक विकास के अनुसार ये परिभाषाएं समय-समय पर बदलती रहीं।

पाता था और सोचता था कि सूर्य ही ईश्वर है। जब लोगों में बीमारियां फैलतीं और कोई आध्यात्मिक उपचार करता, तो उसे ही ईश्वर मान लिया जाता। इस प्रकार सृष्टि के प्रारंभ से ही मनुष्य ने ईश्वर के लाखों-करोड़ों रूपों की कल्पना की है। फिर उसने सोचा कि राजा या सम्राट भी ईश्वर है, क्योंकि वह सर्वाधिक शक्तिशाली है। तथापि संतों, संन्यासियों और महात्माओं ने शीघ्र ही लोगों से कहना प्रारंभ किया कि उन्होंने ईश्वर की जो अवधारणाएं बना रखी हैं, वे उनके अपने मनोविज्ञान का परिणाम हैं, ईश्वर न पुरुष है, न स्त्री, न पशु और न पर्वत, वह बिजली की कौंध, वर्षा, सूर्य, चंद्र, भूकंप या सागर भी नहीं है। वह चरम अनुभव है, जो अतीद्रिरय है।अतीद्रिरय अनुभव के तीन रूप हैं- अनुभवकर्ता, अनुभव की प्रक्रिया और अनुभव। अब ये तीनों त्रिरूप के भिन्न-भिन्न नाम थे। वास्तव में कोई त्रिरूप नहीं है, केवल एक रूप है, परंतु मनुष्य ने उस एक रूप को त्रिरूप बना दिया। ...एक सामान्य व्यक्ति की तरह आप तीन पूर्ण अनुभवों-द्रष्टा, बोध और दृश्य के प्रति सजग रहते हैं। इसी कारण त्रिरूप का दर्शन होता है; पर वास्तव में ईश्वर न एक है, न अनेक। अब एक क्या है? एक अंक है, दो अंक है, और तीन भी अंक है। एक और एक का योग दो होता है, एक जोड़ एक जोड़ एक तीन होता है। हम ईश्वर को 'एक' के रूप में मानते हैं, पर वस्तुतः ईश्वर अनंत हैं। एक रेखा और एक बिंदु अनंत नहीं हैं, क्योंकि उनका आरंभ और अंत होता है। अंक 'एक' सीमित है, परंतु वह 'एक' जो अनंत है, ईश्वर की सही परिभाषा है।। गणित के अनुसार एक जोड़ एक दो होता है और एक घटाव एक शून्य होता है, परंतु दर्शनशास्त्र के अनुसार, एक जोड़ एक, एक ही होता है और एक घटाव एक भी एक ही होता है। गणित सीमित है। गणित में 'एक' सीमित है, पर दर्शन में 'एक' अनंत, असीम होता है। ईश्वर अनंत है, अतः वह गणित का एक नहीं है। जब आप बोलते हैं कि ईश्वर एक है, तो गणित को भूल जाइए, क्योंकि एक ईश्वर जोड़ एक ईश्वर, एक ही ईश्वर होता है। वह क्राइस्ट, राम, कृष्ण या बुद्ध के रूप में प्रकट हो सकता है, पर वह है मात्र एक ही।

शख्सियत | बड़े ग़ुलाम अली ख़ान

शास्त्रीय संगीत के महान उस्ताद

बड़े गुलाम अली खान उर्दू और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के एक महान उस्ताद थे, जिन्हें अपनी गायकी की शैली और गायन के अद्वितीय तरीके के लिए जाना जाता है। वे विशेष रूप से ख्याल, ठुमरी और दुर्गा गायकी के लिए प्रसिद्ध थे। उनका जन्म 3 अप्रैल 1902 को अविभाजित भारत के अम्बाला में हुआ था। वे अपनी वंशानुगत संगीत परंपरा को बनाए रखते हुए भारतीय संगीत की दुनिया में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते थे।

बड़े गुलाम अली खान के संगीत में एक अनोखी भावना और गहराई थी, जिसे सुनकर श्रोताओं को एक अद्वितीय अनुभव मिलता था। उन्होंने अपने संगीत करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी और अपनी गायकी को सुधारने के लिए कई वर्षों तक कठिन साधना की। वे शुद्ध शास्त्रीय संगीत के अलावा फिल्म संगीत में भी अपनी गायकी का जादू बिखेरते थे। उन्होंने उस्ताद अमानत अली खान और उस्ताद मुहम्मद अली खान से शिक्षा ली थी, और बाद में अपनी शैली को खुद के अनुभवों और सिद्धांतों के आधार पर ढाला। उनकी गायकी में एक स्थिरता और स्पष्टता थी, जो शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं को बहुत प्रिय थी। उनके द्वारा गाए गए गीत आज भी लोगों के दिलों में गूंजते हैं। बड़े गुलाम अली खान ने ना केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी अपनी गायकी से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। उनकी आवाज़ की मादकता और तकनीकी दक्षता उन्हें शास्त्रीय संगीत के शीर्ष कलाकारों में शामिल करती है। उनका योगदान भारतीय संगीत में अमूल्य रहेगा। बड़े गुलाम अली खान की गायकी की शैली को समझना उनके संगीत की गहराई और विविधता को समझने के समान है। वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के ख्याल और ठुमरी शैलियों में माहिर थे, लेकिन उनकी गायकी की पहचान इसके अलावा उनकी विलक्षण आवाज़ और उसे संभालने के तरीके में भी थी।

उनकी गायकी में जो सबसे महत्वपूर्ण तत्व था, वह था उनकी तान और आलाप की महारत। बड़े गुलाम अली खान जब आलाप करते थे तो वह श्रोताओं को अपनी आवाज़ के माध्यम से एक नए संगीत संसार में ले जाते थे।

उनके गायन में एक प्रवाह था, जो रागों के भावों को गहराई से व्यक्त करता था, और उनकी तानों में जो लयबद्धता थी, वह शास्त्रीय संगीत की उच्चतम मानक को छूने के समान थी।

शास्त्रीय और फिल्मी संगीत में छाप

बड़े गुलाम अली खान ने फिल्म संगीत में भी योगदान दिया, लेकिन उनका मुख्य फोकस शास्त्रीय संगीत पर था। उन्होंने कई बड़े संगीत निर्देशकों के साथ काम किया और फिल्मों में अपनी आवाज़ का जादू बिखेरा। उनकी आवाज़ में जो लचीलापन था, वह उन्हें शास्त्रीय संगीत से लेकर फिल्मी गीतों तक में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता देता था। खासकर उनकी ठुमरी और भजन गायकी बहुत लोकप्रिय हुई। उन्होंने फिल्म रुबैजू बावरा में गाए गए गानों के माध्यम से फिल्म संगीत की दुनिया में अपनी छाप छोड़ी। उनका गायन न केवल भारत में बल्कि पाकिस्तान और अन्य देशों में भी लोकप्रिय था, जहां उनकी गायकी की शिद्धत से सराहना की गई।बड़े गुलाम अली खान का निधन 21 अप्रैल 1968 को हुआ। उनका निधन भारतीय संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति थी, क्योंकि उन्होंने शास्त्रीय संगीत में अपनी अनूठी छाप छोड़ी थी। उनकी संगीत यात्रा और योगदान आज भी शास्त्रीय संगीत के अनुयायियों के बीच एक प्रेरणा के रूप में जीवित है।

जीवन ऊर्जा | हंस क्रिश्चियन एंडरसन : जन्म 2 अप्रैल 1805 | जन्म

हमारी पहचान हमारी आत्मा में बसी होती है

हंस क्रिश्चियन एंडरसन का जन्म 2 अप्रैल 1805 को डेनमार्क के ओडेन्से शहर में हुआ था। वे एक प्रसिद्ध डेनिश लेखक और कवि थे, जिन्हें विशेष रूप से अपनी परी कथाओं के लिए जाना जाता है। उनकी प्रसिद्ध कहानियाँ द लिटिल मरमेड,हंसेल एंड ग्रेटल,और द स्वान लेकआज भी लोकप्रिय हैं। हंस क्रिश्चियन एंडरसन का निधन 4 अगस्त 1875 को हुआ। उनके लेखन ने बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रेरित किया और वे आज भी साहित्य जगत में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। हर कहानी में कुछ न कुछ सिखने योग्य होता है। जो कोई भी बड़ा बनना चाहता है, उसे पहले छोटा होना पड़ता है। हमें सिर्फ एक चीज़ याद रखनी चाहिए क्या हम सही कर रहे हैं? तुम्हें अपनी आंतरिक आवाज़ सुनने की ज़रूरत है, क्योंकि वही तुम्हें सही दिशा दिखाती है। सच्चाई सबसे सुंदर वस्तु होती है, क्योंकि इसके साथ कोई ग़लत चीज़ जुड़ी नहीं होती। जीवन में मुश्किलें नहीं आतीं, अगर हम उन्हें सामना करने के लिए तैयार हों। हर एक नया दिन हमें एक नया अवसर देता है, हमें इसे गँवाना नहीं चाहिए। जो हम देखते हैं वह हमेशा सच नहीं होता; सच को जानने के लिए हमें खुद को देखना पड़ता है। जीवन एक किताब की तरह है; हर दिन एक नया पन्ना होता है, और हमें इसे पढ़ने का आनंद लेना चाहिए। सपने देखने से पहले हमें अपनी आंखों को खोलना पड़ता है। वह कभी भी महान नहीं हो सकता जो दूसरों की नकल करता है। एक सच्चा कलाकार वही होता है जो अपनी कला के जरिए दुनिया को बदल सके। सबसे अच्छा समय वह होता है जब हम अपने भीतर की सुंदरता को पहचानते हैं। हम जो दिखते हैं, वही हमारी पहचान नहीं होती, हमारी पहचान हमारी आत्मा में बसी होती है। नफरत से कोई भी चीज़ बेहतर नहीं हो सकती, केवल प्यार से हम अपनी दुनिया बदल सकते हैं। जो प्यार करता है, वही जीवन को सही मायने में समझता है। सच्चा साहस वही है जो डर के बावजूद सही निर्णय लेने की ताकत रखता है। जो मनुष्य अपने आप को नहीं पहचानता, वह कभी भी दुनिया को पूरी तरह नहीं समझ सकता। यदि हम अपने सपनों का पीछा करें, तो कोई भी बाधा हमें रोक नहीं सकती।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

यह सब भावनाओं का खेल है

दोनों सत्यनिष्ठ दोनों श्रद्धालु दोनों ही अपनी प्रजा को पुत्र की दृष्टि से देखते थे दोनों ही भगवती सरस्वती के उपासक थे इन सब समानताओं के साथ-साथ दोनों पड़ौसी भी थे उनका नाम था महाराज विदूरथ और सम्राट सिन्धुराज समय की गति और राजनीति का परिवर्तन कब हो जाये जाना नहीं जा सकता एक दिन सम्राट सिन्धुराज ने विदूरथ पर आक्रमण कर दिया विदूरथ का पराक्रम सिन्धुराज से कम नहीं था वह भी अपनी से नायें लेकर संग्राम में आ जुटे कई दिन तक भयंकर युद्ध हुआ पर विजय सिन्धुराज की ही हुई। विदूरथ खेत रहे सिन्धुराज ने अपने हाथों से ही उनका वध कर डाला सन्ध्या समय जब महाराज सिन्धुराज की से नायें विजयोन्मत्त उल्लास के साथ अपनी राजधानी लौट रही थीं तब स्वर्गीय महाराज विदूरथ की धर्म पत्नी ने युद्ध क्षेत्र में प्रवेश किया। युद्ध क्षेत्र कहाँ अब तो वहाँ श्मशान

दिखाई दे रहा था मृतक पति का शीश अपनी बाँई जानु पर रखकर महारानी लीला ने भगवती सरस्वती का आवाहन किया। भक्त का करुण स्वर सुनकर वीणा पाणि प्रकट हुईं और बोलीं भद्रे तुम्हारा दुःख देखकर मेरा हृदय करुणा से भर गया है बोला तुम क्या चाहती हो माँ लीला ने अश्रुशीत नेत्रों से दो बूँद अश्रु भूमि पर टपकाते हुये कहा सिन्धुराज ने अन्यायपूर्वक आक्रमण किया, तुमने यह जानते हुए भी मेरे पति की रक्षा नहीं की, जबकि मेरे पतिदेव भी तुम्हारे अनन्य उपासक थे इसमें मेरा क्या दोष पुत्री! यह सब भावनाओं का खेल है। जो जिस कामना से मेरी उपासना करता है, मैं वैसा ही फल देती हूँ सिन्धुराज की इच्छा चक्रवर्ती बनने की थी सो वह आज चक्रवर्ती है और तुम्हारे पति की इच्छा थी, आत्मोद्धार सो उनका उद्धार हो गया यह तुम देख ही रही हो।

जीवन में विश्वास और संतुष्टि

मनुष्य को इच्छा के अनुसार नहीं बल्कि उसकी क्षमता के अनुसार ही मिलता है जैसे एक घडे को चाहे समुद्र में डुबोइये झील में डुबोईये या कुएं में उसमें जल उतना ही आयेगाठीक इसी प्रकार जितनी हमारे प्रारब्ध के अनुसार क्षमता है । प्रभु हमको उतना ही प्रदान करते है हर व्यक्ति योग्यता के अनुसार कार्य सामर्थ्य भी प्रदान करते हैं हर कोई हरेक सांसारिक काम कर भी नहीं सकता अर्थात सबका अपना अपना अलग अलग भी महत्व है। छोटा या बड़ा कोई महत्व नहीं रखता है जो काम सूई कर सकती है वो काम तलवार नहीं कर सकती सबको अपनी क्षमता और योग्यतानुसार ही वृति मिलती हैयह मावविय स्वभाव है और इच्छा तो सबकी सब कुछ पाने की होती है। परन्तु क्या उसे प्राप्त करने की क्षमता और योग्यता भी होती है शायद नहीं नियोक्ता ईश्वरतो सब कुछ जानता हैकिस को क्या दायित्व देना उचित है क्या अनुचित क्या उसके लिए अनुकूल लाभ दायक है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

ये वही बरेली है जहां 2017 के पहले, वर्ष में 5, 7, 10 दंगे हुआ करते थे। पिछले आठ वर्ष में बरेली में यहां कोई दंगा नहीं हुआ। बरेली अब चंगा है। दंगाई सब चूहे की तरह बिलबिलाते हैं लेकिन बाहर निकलने का दुस्साहस नहीं कर पाते हैं। उन्हें मालूम है कि दंगा करेंगे तो दुष्परिणाम क्या होगा?

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उत्तर प्रदेश

बांग्लादेश की तथाकथित अंतरिम सरकार के मोहम्मद यूनिस द्वारा दिया गया बयान, जिसमें उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के सात बहन राज्यों को स्थलरुद्ध बताया है और बांग्लादेश को उनके समुद्री पहुंच का संरक्षक बताया है, अपमानजनक और अत्यधिक निंदनीय है।

-हेमंत बिस्वा सरमा,(सीएम , असम)

वक्फ संशोधन बिल कल संसद में पेश होगा, अब देखना है कि उद्धव बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा का पालन करती है या राहुल गांधी के कदमों पर चलकर तुष्टीकरण करती है।

-देवेंद्र फडणवीस, सीएम, महाराष्ट्र

हमें विपक्ष से सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। वे अपने गिरेबान में झांककर देखें कि इतने सालों तक राज किया, लेकिन मुसलमानों के लिए उन्होंने क्या किया। नीतीश कुमार ने मुसलमानों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए जो काम किया है, वह देश की किसी भी सरकार ने नहीं किया है।

-ललन सिंह,नेता, जेडीयू

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

देश की सभी ग्राम पंचायतों को तीव्र संचार प्रणाली से जोड़ा जाएगा: सिंधिया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को मुंबई में एक बैठक के दौरान बताया कि भारत सरकार जल्द ही देश की प्रत्येक ग्राम पंचायत को तीव्र संचार प्रणाली से जोड़ेगी। इसके लिए भारत नेट परियोजना को लागू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सुदूरतम क्षेत्रों में भी अच्छी संचार व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

राज्य सरकार ने दिया सहयोग का आश्वासन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस योजना में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि राज्य सरकार गढ़चिरौली जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में संचार व्यवस्था की स्थापना में केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि गढ़चिरौली में सुरक्षा की उचित व्यवस्था के साथ टावर निर्माण किया जाएगा, जिससे यहां के युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जा सकेगा।

मुख्य बैठक में अन्य लोग

इस बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, मुख्य सचिव सुजाता सैनिक, केंद्रीय दूरसंचार सचिव नीरज कुमार, और बीएसएनएल के प्रबंध निदेशक रॉबर्ट रवि भी उपस्थित थे।

भारत नेट फेज-2 के तहत 1 लाख 4जी नेटवर्क टावरों का निर्माण

सिंधिया ने कहा कि भारत नेट फेज-2 के तहत देशभर में 1 लाख 4जी नेटवर्क टावर लगाए जाएंगे, जिनका मुख्य उद्देश्य असंबद्ध क्षेत्रों में संचार सेवाओं का विस्तार करना है। इस पहल से ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट और संचार सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी।

अधिकारियों को निर्देश

सिंधिया ने बीएसएनएल और एमटीएनएल की संपत्तियों को लेकर एक समिति बनाने का निर्देश दिया, जो शहरी विकास विभाग, बीएमसी और केंद्रीय दूरसंचार विभाग के अधिकारियों से मिलकर चार सप्ताह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

पश्चिम रेलवे ने बंद किए 105 लेवल क्रॉसिंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे अपने यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में मुंबई सेंट्रल मंडल ने पिछले पांच वर्षों में 105 लेवल क्रॉसिंग बंद करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इनमें इंटरलॉक्ड और नॉन-इंटरलॉक्ड दोनों प्रकार की क्रॉसिंग शामिल हैं। रेलवे पर लेवल क्रॉसिंग बंद करने से कई फायदे मिलते हैं, जिनमें संरक्षा बढ़ाना, सड़क और रेल यातायात में सुधार, कंजेशन कम करना, दुर्घटनाओं में कमी और ट्रेनों की गति बढ़ाने में मदद मिलती है। इससे समग्र रेल परिचालन अधिक सुचारू और कुशल बनता है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि लेवल क्रॉसिंग बंद होने से सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार हुआ है, जिससे दुर्घटनाओं और जान-माल की हानि की संभावना कम हो गई है। उन्होंने कहा कि संरक्षा उपायों से यात्रियों और समुदायों पर पड़ने वाले भावनात्मक व आर्थिक प्रभाव को कम करने में मदद मिली है।

यातायात और कंजेशन में कमी

मुंबई-वडोदरा-दिल्ली सेक्शन जैसे व्यस्त मार्गों पर लेवल क्रॉसिंग को बंद करने से ट्रैफिक कंजेशन में कमी आई है। इन मार्गों पर वंदे भारत, राजधानी और शताब्दी जैसी हाई-स्पीड ट्रेनें चलती हैं, जिन्हें अब बिना रुकावट के अधिकतम 160 किमी/घंटे की गति से चलाने में सुविधा होगी।

आर्थिक और रेलवे परिचालन में लाभ

लेवल क्रॉसिंग बंद करने से रेलवे को संरक्षा और दक्षता बढ़ाने में मदद मिली है। इससे रेलगाड़ियों के संचालन में देरी कम हुई है, जिससे यात्रा का समय घटा है और रेलवे का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। साथ ही, लेवल क्रॉसिंग के रखरखाव पर होने वाला खर्च भी बचाया गया है।

यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाओं पर रहेगा जोर

विनीत अभिषेक ने कहा कि पश्चिम रेलवे यात्रियों के सफर को और अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए संरचनात्मक सुधार और बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर निरंतर कार्य करता रहेगा।

केडीएमसी के 2068 सफाई कर्मचारियों को मिलेगा आश्वासित योजना का लाभ

सुशील सिंह । कल्याण

कल्याण डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) प्रशासन ने 10 से 30 वर्षों तक सेवा देने वाले 2068 सफाई कर्मचारियों को आश्वासित प्रगति योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है। म्युनिसिपल कर्मचारी कामगार सेना के निरंतर प्रयासों के बाद यह निर्णय लिया गया, जिससे सफाई कर्मचारियों को वर्षों बाद न्याय मिला है।

पदोन्नति न मिलने वाले कर्मचारियों को मिला हक

पिछले वर्ष निगम के लिपिक संवर्ग के 1500 से अधिक कर्मचारियों को इस योजना का लाभ दिया गया था। कई वर्षों की सेवा के बावजूद, तकनीकी कारणों या पदों की कमी के चलते पदोन्नति से वंचित रहे कर्मचारियों को यह योजना राहत प्रदान करती है।

संघ के प्रयासों से मिली सफलता

म्युनिसिपल कर्मचारी कामगार सेना के अध्यक्ष बाळ हरदास, कार्याध्यक्ष अजय पवार, उपाध्यक्ष सुरेश तेलवणे, सुनील पवार, और सरचिटणीस सचिन बासरे के नेतृत्व में पिछले 2-3 वर्षों से प्रशासन से इस योजना के क्रियान्वयन की मांग की जा रही थी।

सातवें वेतन आयोग के तहत मिली राहत

सातवें वेतन आयोग के प्रावधानों के अनुसार, 10, 20 और 30 वर्षों की सेवा करने वाले कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति या उसके लाभ नहीं मिलने से उनकी कुंठा दूर करने के लिए इस योजना का लाभ आवश्यक है।

प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी, वेतन निर्धारण जल्द

आयुक्त डॉ. इंदुराणी जाखड के आदेशानुसार, अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड, सामान्य प्रशासन उपायुक्त वंदना गुळवे और तत्कालीन सहायक आयुक्त प्रसाद ठाकुर ने पात्र कर्मचारियों की सूची तैयार की। प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद, 2068 सफाई कर्मचारियों को योजना का लाभ स्वीकृत किया गया।

अन्य लंबित मामलों पर भी हो रहा कार्य

संघ के सरचिटणीस सचिन बासरे ने बताया कि प्रशासन द्वारा जल्द ही इन कर्मचारियों के वेतन निर्धारण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे वेतन, सेवानिवृत्ति वेतन और परिवार सेवानिवृत्ति वेतन में सुधार होगा। साथ ही, अन्य संवर्गों के 3636 लंबित मामलों को भी हल करने के प्रयास जारी हैं।

मिशन 3000 मीट्रिक टन योजना में भुसावल मंडल का अहम योगदान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय रेलवे की मालवाहन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू की गई मिशन 3000 मीट्रिक टन योजना के तहत, भुसावल मंडल ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भुसावल C&W विभाग ने मालगाड़ियों के रखरखाव में 34.7% वृद्धि दर्ज की है। मार्च 2025 में 702 वैगनों का सफलतापूर्वक आरओएच (ROH) किया गया, जो मार्च 2024 में 441 वैगनों के मुकाबले 59.1% अधिक था। भुसावल मंडल में CC मालगाड़ी रेक की संख्या में भी

महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। मार्च 2025 में 238 CC मालगाड़ी रेक की संख्या रही, जो मार्च 2024 के 133 रेक से 78.94% अधिक है। यह वृद्धि मालवाहन क्षमता को बढ़ाने में सहायक रही है। वर्ष 2024-25 में 1,689 CC मालगाड़ी रेक परीक्षण पूरे किए गए, जो 2023-24 के 1,271 परीक्षणों से 32.88% अधिक है। इस सफलता से मालवाहन की सुरक्षा और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है। यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक इति पांडे और प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता सुबोध कुमार सागर के कुशल नेतृत्व में प्राप्त की गई है। इसके अलावा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता रोहित राजपूत और सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता अमित वाघ के मार्गदर्शन और सक्रिय भागीदारी से यह सफलता संभव हुई है।

भुसावल मंडल ने अर्जित किया 1625.46 करोड़ का राजस्व

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

भुसावल मंडल, जो यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ रेल राजस्व में भी योगदान दे रहा है, ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक नई उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने 1625.46 करोड़ का कुल रेल राजस्व अर्जित किया, जिसमें माल ढुलाई, यात्री परिवहन सेवा और अन्य कोचिंग आय शामिल हैं। मंडल ने विभिन्न श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे यह वित्तीय वर्ष रेलवे के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गया है।

विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

वाणिज्यिक प्रचार राजस्व: भुसावल मंडल ने 7.58 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष 6.49 करोड़ से अधिक है। यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

टिकट जांच प्रदर्शन: टिकट जांच अभियानों के तहत, मंडल ने 56 करोड़ वसूल किए, जो बेहतर टिकटिंग व्यवस्था और यात्रियों के लिए नए डिजिटल उपायों का परिणाम है।

पार्सल आय: मंडल ने 29.96 करोड़ का पार्सल आय अर्जित किया, जो पिछले वर्ष से उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इस सफलता के पीछे शेतकरी समृद्धि विशेष रेल और UTS-QR कोड डिस्प्ले जैसी पहलें प्रमुख रही हैं।

कोचिंग उपलब्धियां: भुसावल मंडल ने 100% डिजिटल टिकटिंग और यूटीएस टिकट बिक्री में 93.34% वृद्धि की।

माल ढुलाई राजस्व: भुसावल मंडल ने 645.76 करोड़ का मालभाड़ा राजस्व अर्जित किया, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक है।

खानपान राजस्व: मंडल ने 10.92 करोड़ का खानपान राजस्व अर्जित किया, जो लक्षित राशि से अधिक है।

यात्री राजस्व: मंडल ने 858.00 करोड़ का यात्री राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के 844.33 करोड़ से अधिक है।

लगेज राजस्व: मंडल ने 2.38 करोड़ का लगेज राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष 1.49 करोड़ से अधिक है।

अन्य राजस्व: अन्य राजस्व में 12.34% की वृद्धि हुई और कुल 27.80 करोड़ अर्जित किया गया।

लोको पायलट सुरजीत सिंह हुए सेवा निवृत्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

लोको पायलट सुरजीत सिंह ने 32 साल की सेवा के बाद 31 मार्च 2025 को सेवा निवृत्ति ली। उनकी गौरवशाली सेवा का समापन एक महत्वपूर्ण क्षण है, और इस अवसर पर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। 2 अप्रैल 2025 को शाम 6:00 बजे कल्याण रेलवे इंस्टीट्यूट में एक समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें सुरजीत सिंह की सेवा को सम्मानित किया जाएगा और उनके समर्पण और कार्यक्षमता की सराहना की जाएगी।

राजस्थान के अजमेर शहर में जन्म

सुरजीत सिंह का जन्म राजस्थान के अजमेर शहर में हुआ था, और वे 1993 से मुंबई में रह रहे हैं। उनके बड़े भाई एच.एस. गुलवान भी पिछले वर्ष मध्य रेल के मुंबई मंडल से सेवा निवृत्त हुए हैं। सुरजीत सिंह का परिवार भरा-पूरा है, और वे अपनी धर्मपत्नी के साथ कल्याण में खुशहाल जीवनयापन कर रहे हैं। उनकी दो बेटियां हैं, जो विदेश में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी चार समर स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा था विशेष रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर चार स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने इसकी जानकारी दी।

बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बांद्रा टर्मिनस से 05.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.00 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पहुंचेगी। यह ट्रेन 05 अप्रैल से 28 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 16:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 03 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, बियावरा राजगढ़, चाचुरा बीनागंज, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, डबरा और दतिया स्टेशनों पर रुकेगी।

बांद्रा टर्मिनस – सूबेदारगंज सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज सुपरफास्ट स्पेशल हर मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 11:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:00 बजे सूबेदारगंज पहुँचेगी। यह ट्रेन 08 अप्रैल से 01 जुलाई, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल हर सोमवार को सूबेदारगंज से 05:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 07 अप्रैल से 30 जून 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास, फतेहपुर सीकरी, ईदगाह, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी और फतेहपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

असारवा- कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल (26 फेरे)

ट्रेन संख्या 01906 असारवा-कानपुर सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक मंगलवार असारवा से 09.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 8 अप्रैल से 1 जुलाई, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल- असारवा स्पेशल प्रत्येक सोमवार को कानपुर सेंट्रल से 08.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.45 बजे असारवा पहुंचेगी। यह ट्रेन 7 अप्रैल से 30 जून, 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में हिम्मत नगर, डूंगरपुर, जावर, उदयपुर सिटी, मावली जं., चंदेरिया, मंडलगढ़, बूंदी, केशोराय पाटन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, फतेहपुर सीकरी, ईदगाह, टूंडला, फिरोजाबाद और इटावा स्टेशनों पर रुकेगी।

असारवा–आगरा कैंट स्पेशल (प्रतिदिन) [182 फेरे]

ट्रेन संख्या 01920 असारवा-आगरा कैंट स्पेशल प्रतिदिन असारवा से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.20 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। यह ट्रेन 2 अप्रैल से 1 जुलाई, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 01919 आगरा कैंट-असारवा स्पेशल प्रतिदिन आगरा कैंट से 23.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.35 बजे असारवा पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 अप्रैल से 30 जून, 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में हिम्मत नगर, डूंगरपुर, जावर, उदयपुर सिटी, मावली जं., चंदेरिया, मंडलगढ़, बूंदी, केशोराय पाटन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना और फतेहपुर सीकरी स्टेशनों पर रुकेगी।

श्री राम नवमी पर निकलेगी शोभा यात्रा

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाने वाली श्री राम नवमी के अवसर पर, विराट हिंदू शक्ति द्वारा 6 अप्रैल 2025 को भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करने का संदेश लेकर निकलेगी।इस शोभा यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रभु श्री राम के विचारों और शिक्षाओं को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना है। आयोजकों का मानना है कि ऐसे आयोजनों से लोग श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं।

यात्रा का मार्ग और प्रमुख पड़ाव

शोभा यात्रा पंचमुखी हनुमान मंदिर से शुरू होकर विट्ठल मंदिर, हनुमान नगर, कटेमानिवाली ब्रिज, उत्तेकर चौक और दुर्गा माता मंदिर कोळसेवाडी तक निकलेगी। यह शोभा यात्रा सिर्फ धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता का संदेश भी देगी। आयोजक इस अवसर पर सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का भी प्रयास करेंगे।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष यात्रा लंबी तथा मनोरंजक रह सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे।

वृष जल्दबाजी से चोट लग सकती है। कुसंगति से बचें। कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। असमंजस की स्थिति बनेगी। लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें। भावनाओं को वश में रखें।

मिथुन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अनहोनी की आशंका निर्मूल नहीं हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के मामलों में हाथ न डालें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा।

कर्क किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। बातचीत में संयम रखें। शत्रुता में कमी रहेगी। स्थायी संपत्ति की खरीदी-बिक्री की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकते हैं। बेवजह तनाव रह सकता है। सिर में चोट लग सकती है। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

कन्या ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा। यश बढ़ेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नए काम मिल सकते हैं। आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

तुला बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। सृजनशीलता का विकास होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा। जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं। प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराने रोग को नजरअंदाज न करें। व्यय होगा।

धनु परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर सुख के साधन जुटेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का साथ मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। किसी विवाद में विजय मिल सकती है। सामाजिक काम करने का मन बनेगा।

कुंभ विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है। मित्रों से भेंट होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

शनि और चन्द्रमा जनित विषयोग विवरण

भाग-2

'बृहद्जातक' तथा 'फलदीपिका' ने इसका फल ''परपुरूष से उत्पन्न, आदि'' बताया है। अशुभ फलादेश के कारण इस युति को ''विष योग'' की संज्ञा दी गई है। 'विष योग' का अशुभ फल जातक को चंद्रमा और शनि की दशा में उनके बलानुसार अधिक मिलता है।

कंटक शनि, अष्टम शनि तथा साढ़ेसाती कष्ट बढ़ाती है। कुंडली में जिस भाव में 'विष योग' स्थित होता है उस भाव संबंधी कष्ट मिलते हैं। नजदीकी परिवारजन स्वयं दुखी रहकर विश्वासघात करते हैं। जातक को दीर्घकालीन रोग होते हैं और वह आर्थिक तंगी के कारण कर्ज से दबा रहता है। जीवन में सुख नहीं मिलता। जातक के मन में संसार से विरक्ति का भाव जागृत होता है और वह अध्यात्म की ओर अग्रसर होता है।

भावानुसार 'विष योग' का फल

प्रथम भाव (लग्न) -इस योग के कारण माता के बीमार रहने या उसकी मृत्यु से किसी अन्य स्त्री (बुआ अथवा मौसी) द्वारा उसका बचपन में पालन-पोषण होता है। उसे सिर

प्रियंका जैन
9769994439

और स्नायु में दर्द रहता है। शरीर रोगी तथा चेहरा निस्तेज रहता है। जातक निरूत्साही, वहमी एवं शंकालु प्रवृत्ति का होता है। आर्थिक संपन्नता नहीं होती। नौकरी में पदोन्नति देरी से होती है। विवाह देर से होता है। दांपत्य जीवन सुखी नहीं रहता। इस प्रकार जीवन में कठिनाइयां भरपूर होती हैं।

द्वितीय भाव -घर के मुखिया की बीमारी या मृत्यु के कारण बचपन आर्थिक कठिनाई में व्यतीत होता है। पैतृक संपत्ति मिलने में बाधा आती है। जातक की वाणी में कटुता रहती है। वह कंजूस होता है। धन कमाने के लिए उसे कठिन परिश्रम करना पड़ता है। जीवन के उत्तरार्द्ध में आर्थिक स्थिति ठीक रहती है। दांत, गला एवं कान में बीमारी की संभावना रहती है।

तृतीय भाव - जातक की शिक्षा अपूर्ण रहती है। वह नौकरी से धन कमाता है। भाई-बहनों के साथ संबंध में कटुता आती है। नौकर विश्वासघात करते हैं। यात्रा में विघ्न आते हैं। श्वांस के रोग होने की संभावना रहती है।

चतुर्थ भाव - माता के सुख में कमी, अथवा माता से विवाद रहता है। जन्म स्थान छोड़ना पड़ता है। मध्यम आयु में आय कुछ ठीक रहती है, परंतु अंतिम समय में फिर से धन की कमी हो जाती है। स्वयं दुखी दरिद्र होकर दीर्घ आयु पाता है। उसके मृत्योपरांत ही उसकी संतान का भाग्योदय होता है। पुरूषों को हृदय रोग तथा महिलाओं को स्तन रोग की संभावना रहती है।

पंचम भाव - में विष योग होने से शिक्षा प्राप्ति में बाधा आती है। वैवाहिक सुख अल्प रहता है। संतान देरी से होती है, या संतान मंदबुद्धि होती है। स्त्री राशि में कन्यायें अधिक होती हैं। संतान से कोई सुख नहीं मिलता।

षष्ठ भाव - जातक को दीर्घकालीन रोग होते हैं। ननिहाल पक्ष से सहायता नहीं मिलती। व्यवसाय में प्रतिद्वंदी हानि करते हैं। घर में चोरी की संभावना रहती है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उत्तर भारत / बिजनेस

आसाराम फिर पहुंचा सलाखों के पीछे, जेल में सरेंडर किया

जोधपुर। अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से रेप करने का दोषी आसाराम ने जमानत अवधि खत्म होने पर मंगलवार को फिर जोधपुर की सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत 31 मार्च को समाप्त हो गई है। आसाराम के वकील ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए याचिका दाखिल की है, जिस पर कोर्ट दो अप्रैल को सुनवाई करेगा। कोर्ट में 29 से 31 मार्च तक छुट्टी के बाद मंगलवार को आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने सुनवाई का आग्रह किया था। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत दी गई है। राजस्थान हाईकोर्ट के वकील दिनेश जैन ने बताया कि आसाराम की ओर से अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने के आवेदन पर बुधवार को सुनवाई होगी। यदि कोर्ट अंतरिम जमानत की अवधि नहीं बढ़ाती है तो आसाराम को जेल में ही रहना होगा। जब तक दोनों ही मामलों में उसे राहत नहीं मिलती है, तब तक वह जेल से बाहर नहीं आ सकेगा।

बरहेट में कोयला ढोने वाली दो मालगाड़ी आपस में टकराईं, 2 की मौत

बरहेट: मंगलवार की अहले सुबह लालमटिया-फरक्का एमजीआर रेल लाइन पर हुए भीषण हादसे में दो मालगाड़ियों की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिससे तीन रेल इंजन, सात बोगियां और रेल पटरी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दुर्घटना में दो लोको पायलट जिंदा जलकर मौत के शिकार हो गए, जबकि एक लोको पायलट और पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। बरहेट सोनाजोड़ी लूप लाइन में पहले से एक मालगाड़ी खड़ी थी, तभी लालमटिया से फरक्का जा रही दूसरी कोयला लदी मालगाड़ी गलती से लूप लाइन में प्रवेश कर गई। तेज रफ्तार होने के कारण ड्राइवर को संभलने का मौका नहीं मिला और सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि डीजल इंजन में आग लग गई और दोनों लोको पायलट जिंदा जल गए।

सीएम हेमंत सोरेन ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकने के दिए निर्देश

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी अनुराग गुप्ता) को निर्देश दिया है कि सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वालों पर कोई कार्रवाई न की जाए। इस आदेश के बाद डीजीपी ने रांची एसएसपी को मामले में कोई आगे की कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दिए हैं। 30 मार्च 2025 को रांची के सिरमटोली फ्लाईओवर का रैंप हटाने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई, बैरिकेडिंग तोड़ी गई, और विधि व्यवस्था में बाधा डाली गई। हालांकि, पुलिस और दंडाधिकारियों ने संयम बरतते हुए स्थिति को नियंत्रण में रखा। इस घटना के संबंध में 30 मार्च को चुटिया थाने में कांड संख्या (77/2025) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

नहाय-खाय से चैती छठ का आगाज

- 2 अप्रैल को खरना, उसके बाद शुरू होगा निर्जला उपवास
- 3-4 अप्रैल को सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त होगा

एजेंसी । पटना

लोक आस्था के महापर्व चैती छठ पूजा की आज मंगलवार से नहाय-खाय के साथ शुरु हो गई। नहाय-खाय में व्रती स्नान कर नए वस्त्र धारण करते हैं और चने की दाल, कद्दू की सब्जी, और चावल ग्रहण करते हैं। इस दिन घर की साफ-सफाई और शुद्धिकरण पर जोर दिया जाता है।

खरना के बाद शुरू होगा निर्जला उपवास

खरना को दूसरे दिन व्रती दिन भर उपवास रखकर शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस प्रसाद को पूरे समुदाय में बांटा जाता है। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य दिया जाता है। यह मुख्य दिन होता है। श्रद्धालु नदी या तालाब के किनारे जाकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस दौरान बांस की टोकरी में ठेकुआ, फल और गन्ना रखकर विशेष भागवान भास्कर की पूजा की जाती है। अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया जाता है।

41 गंगा घाट और सात तालाबों को किया गया तैयार

पटना जिला प्रशासन की ओर से लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को देखते हुए 41 गंगा घाट और सात तालाबों को तैयार किया गया है। जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से घाटों की सफाई और एप्रोच रोड के साथ गंगा नदी में बैरीकेडिंग, शुद्ध पेजल, लाइटिंग, शौचालय और चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। गंगा घाटों पर मेडिकल टीम की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। गंगा नदी में लगातार एसडीआरएफ की टीम के द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि गंगा नदी में किए गए बेरीकेडिंग को पर ना करें। नहाय-खाय के दिन पटना के गंगा घाटों पर छठव्रतियों की काफी भीड़ देखने को मिली ।

बड़े नक्सल ऑपरेशन में शामिल कमांडो से मिलेंगे गृहमंत्री अमित शाह

4 अप्रैल को रायपुर, 5 अप्रैल को दंतेवाड़ा का दौरा

एजेंसी । रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। 4 अप्रैल को वे रायपुर पहुंचेंगे, जहां वे रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 5 अप्रैल को वे दंतेवाड़ा जाएंगे, जहां बस्तर पंडुम के समापन समारोह में शामिल होंगे और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक और भोजन करेंगे।

नक्सल ऑपरेशन में शामिल कमांडो से होगी मुलाकात

गृहमंत्री शाह नक्सल अभियान में शामिल कमांडो के साथ बैठक करेंगे और उनकी रणनीति पर चर्चा करेंगे। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने एक पत्रकार वार्ता में दी।गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर को लाल आतंक से मुक्त करना हमारी प्राथमिकता है। अमित शाह ने 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया है, जो रणनीतिक और तार्किक आधार पर लिया गया निर्णय है।

रुड़की में हेल्थ क्लब की आड़ में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

- एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 9 गिरफ्तार

एजेंसी । रुड़की

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने रुड़की के कलियर थाना क्षेत्र में हेल्थ क्लब की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में चार महिलाओं और पांच पुरुषों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

गुप्त सूचना के आधार पर हुई छापेमारी

हरिद्वार एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को देह व्यापार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और स्थानीय थाना पुलिस लगातार संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि पिरान कलियर क्षेत्र में एक हेल्थ क्लब की आड़ में जिस्मफरोशी का धंधा चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और पिरान कलियर थाना पुलिस ने हेल्थ क्लब पर छापा मारा, जहां से चार महिलाओं और पांच पुरुषों को गिरफ्तार किया गया।

चरस तस्करों की स्कॉर्पियो पुलिस के जाल में फंसी

- 1 किलो माल और हथियार के साथ चार गिरफ्तार

एजेंसी । बेतिया

बिहार के बेतिया जिले के बगहा पुलिस जिला अंतर्गत धनहा थाना पुलिस ने अपराध नियंत्रण के तहत सोमवार देर रात एक बड़ी सफलता हासिल की। धनहा और रतवल गौतम बुद्ध सेतु पर चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने तस्करी में संलिप्त एक स्कॉर्पियो वाहन को रोका। तलाशी के दौरान उसमें से 1 किलो चरस बरामद किया गया। इसके साथ ही, पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस भी बरामद हुए।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान

धनहा थानाध्यक्ष धर्मवीर कुमार भारती ने जानकारी दी कि गिरफ्तार तस्कर सीमावर्ती उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखते हैं। इनमें हनुमानगंज थाना क्षेत्र के हनुमानगंज गांव निवासी विजय चौधरी, जटाहां थाना के जटाहां बाजार निवासी अफरीदी, कठार गांव निवासी सुरेंद्र यादव और संदीप कुमार शामिल हैं।

भागने की कोशिश नाकाम, पुलिस ने घेरा डालकर पकड़ा

थानाध्यक्ष ने बताया कि सोमवार की रात पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान यूपी की ओर से आ रही एक स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वाहन चालक ने तेज रफ्तार से भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर स्कॉर्पियो को दबोच लिया। जब वाहन की तलाशी ली गई, तो उसमें से 1 किलो चरस बरामद हुआ। वहीं, संदीप और विजय चौधरी की तलाशी में एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस भी मिले।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, न्यायिक हिरासत में भेजे गए आरोपी

पुलिस ने तस्करों के वाहन को भी जब्त कर लिया और इनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में इन तस्करों के नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। मंगलवार को चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में बगहा भेज दिया गया।

'मैं योगी हूं, हमेशा के लिए राजनीति में नहीं'

योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को किया खारिज

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे राजनीति में स्थायी रूप से नहीं आए हैं और उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता की सेवा करना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ₹मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। भाजपा ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे मैं निभा रहा हूं, लेकिन हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं।₹ प्रधानमंत्री पद की चर्चाओं पर विराम लगाते हुए उन्होंने कहा कि उनकी राजनीति में एक समय सीमा है और वे इसे अनिश्चित काल तक जारी नहीं रखेंगे। गौरतलब है कि हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम चर्चा में है।

धर्म और राजनीति के संबंध पर भी दिया बयान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्म और राजनीति के संबंध पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि राजनीति में धर्म का समावेश गलत नहीं है। यह हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों तक सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं, जिससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल स्वार्थ सिद्ध करना नहीं, बल्कि समाज की भलाई करना होना चाहिए। धर्म भी तभी सार्थक होता है जब वह परमार्थ के लिए हो। अगर धर्म का उपयोग स्वार्थ पूर्ति के लिए किया जाए तो मुश्किलें आती हैं, लेकिन जब इसका उद्देश्य परमार्थ होता है, तो यह समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

मलिन बस्तियों का होगा कायाकल्प

- 250 से अधिक परियोजनाओं को मिली हरी झंडी
- योगी सरकार ने जारी किए 20 करोड़ रुपए

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में शहरी विकास को नई गति मिल रही है। जहां एक ओर शहरों और कस्बों का तेजी से कायाकल्प हो रहा है, वहीं मलिन बस्तियों में भी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित और मलिन बस्ती योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर नगर, रायबरेली और कन्नौज समेत 17 जिलों में 250 से अधिक विकास परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इन परियोजनाओं के तहत सीसी रोड, इंटरलॉकिंग रोड, नाली निर्माण और पथ प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। इस योजना के लिए सरकार ने 20 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की है।

मलिन बस्तियों के जीवन स्तर में होगा सुधार

प्रदेश सरकार की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के पूरा होने से मलिन बस्तियों के लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा और शहरी ढांचे को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे राज्य की तस्वीर बदल रही है। जल्द ही इन क्षेत्रों के निवासियों को बेहतर सड़कें, जल निकासी और उत्तम प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उनका जीवन अधिक सुगम होगा।

विभिन्न जिलों में परियोजनाओं को मिली वित्तीय स्वीकृति

इस योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, मऊ, बस्ती, जालौन, सिद्धार्थनगर, मुरादाबाद, संतकबीर नगर, जौनपुर, बुलंदशहर और महाराजगंज की 166 परियोजनाओं के लिए 3.35 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वहीं, कानपुर नगर, फतेहपुर, रायबरेली, कन्नौज, आजमगढ़ और कौशांबी जिलों में 95 परियोजनाओं के लिए 17.53 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

व्यापार जगत

सेंसेक्स में साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट

- 1390 अंक नीचे 76,024 पर बंद, निफ्टी 353 लुढ़का
- रियल्टी और IT सेक्टर सबसे ज्यादा टूटे

एजेंसी । मुंबई

वित्त वर्ष 2025-26 के पहले कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार (1 अप्रैल) को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 1390 अंक (करीब 1.80%) गिरकर 76,024 के स्तर पर बंद हुआ। यह इस साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सेंसेक्स में 28 फरवरी को 1414 (1.90%) अंक की गिरावट रही थी। निफ्टी में भी करीब 353 अंक (करीब 1.50%) की गिरावट रही, ये 23,165 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट रही। HCL टेक, बजाज फिनसर्व, HDFC बैंक, बजाज फाइनेंस और इंफोसिस में सबसे ज्यादा करीब 4% गिरकर बंद हुए। NSE के 50 शेयरों में से 36 में गिरावट रही। सेक्टोरल इंडाइसेज की बात करें तो रियल्टी में 3.11%, कंज्यूमर ड्यूरेबल में 2.50%, IT में 2.45%, फार्मा में 1.73% और प्राइवेट बैंक में 1.21% की गिरावट रही।

बाजार में गिरावट के तीन कारण:

ट्रम्प का रेसिप्रोकल टैरिफ: अमेरिका कल से भारतीय प्रोडक्ट्स पर 100% टैरिफ लगा सकता है। पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि भारत हमसे 100% से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली: फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FII) लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। यह बिकवाली बाजार में दबाव बढ़ाने का एक प्रमुख कारण हो सकती है, खासकर अगर निवेशक अन्य बाजारों की ओर रुख कर रहे हों।

आर्थिक अनिश्चितता: वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका और अमेरिकी GDP के 2025 की पहली तिमाही में 2.8% तक गिरने के अनुमान से निवेशकों का भरोसा कम हुआ है। इससे स्टॉक मार्केट में अस्थिरता बढ़ रही है।

ग्लोबल मार्केट में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.58%, हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 0.96% और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.43% की तेजी है। 28 मार्च को अमेरिका का डाओ जोंस 1% चढ़कर 42,001 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 0.14% की गिरावट रही जबकि S&P 500 इंडेक्स 0.55% चढ़कर बंद हुआ। 28 मार्च को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 4,352.82 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 7,646.49 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। मार्च में विदेशी निवेशकों ने 2,014.18 करोड़ रुपए के नेट शेयर खरीदे। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 37,585.68 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की।

मार्च में सरकार ने 1.96 लाख करोड़ GST वसूला

नई दिल्ली। सरकार ने मार्च 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) से 1.96 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सालाना आधार पर इसमें 9.9% की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार 1 अप्रैल को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले यानी मार्च 2024 में सरकार ने 1.78 लाख करोड़ रुपए GST कलेक्ट किया था। एक महीने पहले यानी जनवरी में सरकार ने GST से 1.84 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे, जो पिछले साल फरवरी के मुकाबले 9.1% ज्यादा था। वहीं, मार्च लगातार 13वां महीना रहा, जब मंथली कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में 19.56 लाख करोड़ रुपए नेट GST कलेक्शन हुआ है।

अप्रैल 2024 में सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ कलेक्शन हुआ था

ग्रॉस टैक्स कलेक्शन के लिहाज से नवंबर महीने में अब तक का तीसरा सबसे बड़ा कलेक्शन रहा था। इससे पहले अप्रैल 2024 में सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ रुपए GST के रूप में वसूले गए थे। वहीं, अप्रैल-2023 और अक्टूबर-2024 में 1.87-1.87 लाख करोड़ रुपए का GST सरकार ने वसूला था।

दो हजार रुपए के 98.21 प्रतिशत नोट लौटे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि 2000 रुपए के 98.21 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं और केवल 6,366 करोड़ रुपए मूल्य के ऐसे नोट अब भी जनता के पास हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई ने कहा कि प्रचलन में 2000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य 19 मई, 2023 को कारोबार बंद होने पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। अब 31 मार्च, 2025 को कारोबार बंद होने पर इनका कुल मूल्य घटकर 6,366 करोड़ रुपए रह जाएगा। दो हजार रुपए के बैंक नोट जमा करने और/या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि, यह सुविधा अब भी रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है।

एफसीआरए पंजीकृत एनजीओ की वैधता 30 जून तक बढ़ाई

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकृत एनजीओ की वैधता 30 जून तक बढ़ा दी है। यह घोषणा उन एनजीओ पर लागू होगी जिनके नवीनीकरण आवेदन लंबित हैं। मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने जनहित में ऐसी एफसीआरए पंजीकृत एनजीओ (गैर सरकारी संगठन) की वैधता 30 जून तक बढ़ाने का निर्णय लिया है जिनका लाइसेंस या तो 1 अप्रैल से 30 जून के बीच समाप्त हो रहा है, या उनका नवीनीकरण आवेदन लंबित है।

206.6 करोड़ रुपए के घटिया आयातित सामानों पर कार्रवाई

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारतीय बाजार में घटिया गुणवत्ता के आयातित उत्पादों की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में जानकारी दी कि राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 (फरवरी तक) में कुल 206.62 करोड़ रुपए के घटिया माल के आयात पर 206 मामले दर्ज किए हैं।

घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की घोषणा

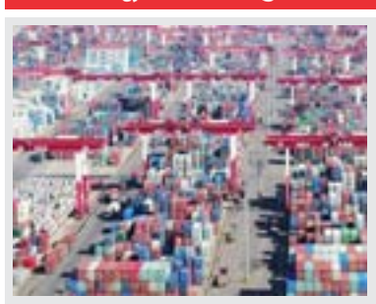

मंत्री ने बताया कि ये मामले सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत दर्ज किए गए हैं और इसमें उन उत्पादों को शामिल किया गया है जो आईपीआर, बीआईएस और एफएसएसएआई मानकों का उल्लंघन करते हैं। सरकार का उद्देश्य घरेलू उद्योग को सस्ते और घटिया आयात के प्रतिकूल प्रभाव से बचाना है। उन्होंने बताया कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) घरेलू उद्योग की ओर से दायर याचिकाओं के आधार पर जांच करता है और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के तहत कार्रवाई करता है। जांच के बाद डीजीटीआर अपनी सिफारिशें वित्त मंत्रालय को भेजता है, ताकि उचित नीतिगत निर्णय लिए जा सकें।

पूंजीगत व्यय में कटौती के बजाय 11.21 लाख करोड़ रुपए निर्धारित

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूंजीगत व्यय में कटौती नहीं की गई है, बल्कि इसे बढ़ाकर 11.21 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। इस वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को दिए जाने वाले ऋणों में आनुपातिक वृद्धि की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए विशेष सहायता योजनाओं के संबंध में सदस्यों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि वास्तव में इस साल केंद्रीय बजट में यह 11.21 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसलिए, पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पूंजीगत व्यय के लिए ब्याज मुक्त 50 वर्षीय विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में आनुपातिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, इसलिए, पूंजीगत व्यय में कटौती करना हमारे लिए संभव नहीं है। दरअसल, चिदंबरम ने अपने सवाल में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित बजट अनुमान में पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपए से घटाकर 10,18,429 करोड़ रुपए करने का कारण जानना चाहा।

जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगा बेंगलुरु

- आरसीबी आज गुजरात के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेलेगी सत्र का पहला मुकाबला
- साल्ट और कोहली पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का जिम्मा

एजेंसी । बेंगलुरु

शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम की निगाह जीत की हैट्रिक पर है। टीम बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर आईपीएल के इस सत्र का पहला मैच खेलेगी। उसके गेंदबाज खूब धमाल मचा रहे हैं। विराट कोहली और फिल सॉल्ट पर टीम को फिर अच्छी शुरुआत दिलाने की उम्मीद होगी। वहीं, शुभमान गिल की गुजरात की टीम भी जीत की लय कायम रखने की कोशिश करेगी। पिछले मुकाबले में उसने अपने घर में मुंबई को कर खाता खोला था।

कोहली और सॉल्ट हो सकते हैं खतरनाक

कोहली और सॉल्ट पिछले दो मैचों में 95 और 45 रन की साझेदारी कर चुके हैं। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दोनों और खतरनाक हो सकते हैं। आरसीबी के प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि पिछले 18 साल से ट्रॉफी का इंतजार खत्म करने के लिए उनकी टीम जीत की लय कायम रखे ।

बल्लेबाजों की मददगार है चिन्नास्वामी स्टेडियम

चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच हालांकि बल्लेबाजों की मददगार है। यहां तीन बार 260 से अधिक का स्कोर बन चुका है। छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड ने गेंदबाजों को हमेशा परेशान किया है। लेकिन बेंगलुरु का मानना है कि उसके दो गेंदबाज हेजलवुड और भुवनेश्वर यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड ने इस सत्र में छह से कम की इकोनॉमी रेट से रन दिए हैं। चेन्नई के खिलाफ मैच में भुवनेश्वर ने प्रति ओवर सिर्फ 6.6 की औसत से रन दिए थे।

गुजरात के पास सक्षम बल्लेबाज

गुजरात के पास काफी सक्षम बल्लेबाज हैं। गिल और सुदर्शन अच्छी सलामी जोड़ी बना चुके हैं। बेंगलुरु की कोशिश होगी कि उन्हें अच्छी शुरुआत नहीं करने दे। नई गेंद को स्विंग कराने के कौशल से भुवनेश्वर और सटीक गेंदबाजी के फन में माहिर हेजलवुड मिलकर उनकी परेशानी का सबब बन सकते हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल भी उपयोगी साबित हुए हैं। स्पिन विभाग में क्रुणाल और सुयश कमजोर लग रहे हैं जबकि गुजरात के पास राशिद और किशोर जैसे खतरनाक स्पिनर हैं। ऐसे में कोहली, सॉल्ट, कप्तान पाटीदार और पडिक्कल की असल परीक्षा स्पिनरों के सामने होगी। गुजरात के पास रबाडा और सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं। आरसीबी के लिए खेलने वाले सिराज को नीलामी में गुजरात ने खरीदा था।

आमने-सामने

कुल मैच : 5

बेंगलुरु जीता : 3

गुजरात जीता : 2

नंबर गेम

1 एक मैच दोनों ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए दो मुकाबलों में से जीता है

2 पिछले लगातार मुकाबलों में बेंगलुरु ने गुजरात को पराजित किया है

4 बार रबाडा अब तक 14 पारियों में कोहली को आउट कर चुके हैं

पडिक्कल बन सकते हैं एक हजारी

देवदत्त पडिक्कल आरसीबी की ओर एक हजार रन पूरे करने वाले सातवें बल्लेबाज बनने से 79 रन दूर हैं। बाएं हाथ का यह 24 वर्षीय बल्लेबाज अब तक 31 मैचों में एक शतक और छह अर्धशतकों से 125.99 की स्ट्राइक रेट से 921 रन बना चुका है। कोहली (8094) शीर्ष और डीविलियर्स (4491) दूसरे व क्रिस गेल (3163) तीसरे नंबर पर हैं।

320 मैच...158 गोल...

ओलंपिक में हैट्रिक दागने वाली इकलौती भारतीय महिला वंदना का संन्यास

एजेंसी । नई दिल्ली

ओलंपिक में हैट्रिक दागने वाले एकमात्र भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया की स्टिक का जादू अब नहीं दिखेगा। उत्तराखंड के हरिद्वार में रहने वाली 32 वर्षीय फॉरवर्ड ने मंगलवार को 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया। हालांकि वंदना हॉकी इंडिया लीग और अन्य लीग में खेलती रहेंगी। पूर्व भारतीय कप्तान वंदना ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम का अहम हिस्सा थी। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत की ओर से लगातार तीन गोल दागने वाली पहली भारतीय बनीं थी। मूल रूप से उत्तर प्रदेश की वंदना ने 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग में भारत के लिए आखिरी मैच खेला था। वह 2016 और 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के साथ एफआईएच नेशंस कप 2022 में स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा थी।

नंबर गेम

320 सर्वाधिक मैच देश की ओर से खेलने वाली इकलौती महिला

158 गोल दागे हैं 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में

> 'भारी लेकिन कृतज्ञ मन से मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले रही हूं। यह फैसला सशक्त करने वाला और दुखी करने वाला दोनों है। मैं इसलिए नहीं हट रही हूँ क्योंकि मेरे अंदर की आग मंद पड़ गई है या मेरे भीतर हॉकी नहीं बची है। बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने करियर के शिखर पर संन्यास लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं।'
>
> **-वंदना कटारिया**

> 'वह गोल ही नहीं करती थी बल्कि भारतीय आक्रमण की धड़कन थी। अथक परिश्रम करने वाली और मोर्चे से अगुवाई करने वाली। उसकी मौजूदगी ने भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति को धार दी, खासकर भारी दबाव वाले मैचों में। उसने भावी पीढी के लिए नए मानदंड कायम किए हैं।'
>
> **-दिलीप टिर्की, अध्यक्ष हॉकी इंडिया**

पिता ने सपने देखना सिखाया

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मेरे दिवंगत पिता मेरी चट्टान, मेरे मार्गदर्शक थे। उनके बिना मेरा सपना कभी पूरा नहीं होता। उनके बलिदानों और प्यार से मेरे खेल की नींव पड़ी। उन्होंने मुझे सपने देखने, लड़ने और जीतने के लिए मंच दिया। लेकिन मेरी कहानी यहां खत्म नहीं होती। यह नई शुरुआत है। मैं हॉकी उठाकर नहीं रखूंगी। मैं खेलती रहूंगी। हॉकी इंडिया लीग में और उसके अलावा भी।

मुंबई के मैदानों से

तानिश्ता नॉयर का वर्चस्व

मुंबई। ओट्टर्स क्लब की तानिश्ता नॉयर ने बांद्रा स्थित एमआईजी तरणताल में संपन्न हुई जीएमएएए-एमआईजी वार्षिक तैराकी चैंपियनशिप के महिला वर्ग में कुल पांच स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना वर्चस्व कायम किया। चैंपियनशिप के आखिरी दिन तानिश्ता नॉयर का 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक के वर्गों में स्वर्णपदक के लिए मुकाबला खार जिमखाना की ज़ारा बक्शी और अवन्तिका चव्हाण के साथ था, जिसमें वो आसानी से विजयी रहीं। श्वेता म्हात्रे, पुरुष अंडर-30 वर्ग में लक्ष्य पुरी, बॉयज अंडर-16 वर्ग में अर्णव वाडेकर, बॉयज अंडर-14 वर्ग में उत्कर्ष मेहता, बॉयज अंडर-12 वर्ग में रिवान कोलाही, गर्ल्स अंडर-16 वर्ग में ध्रुति श्रॉफ, गर्ल्स अंडर-14 वर्ग में सेहर पुरी, गर्ल्स अंडर-12 वर्ग में साक्षी विमल ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

यह मुकम्मिल प्रदर्शन था मुंबई का : विलियम्सन

एजेंसी । मुंबई

मुंबई इंडियंस ने गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स को सिर्फ 116 रन पर समेटते हुए आठ विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने मुंबई इंडियंस की रणनीति की तारीफ करते हुए कहा, ‘यह एक संपूर्ण प्रदर्शन था। टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनना और उस पर बेहतरीन अमल करना शानदार रहा। अश्वनी कुमार जैसे अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करना सही फैसला था, जिन्होंने लगातार विकेट चटकाए।

मुंबई ने पूरे मैच में बनाए रखा दबाव

आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के चलते टीमें बड़े स्कोर बना रही हैं, लेकिन मुंबई इंडियंस ने पूरे मैच में दबाव बनाए रखा और केकेआर को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

चावला ने केकेआर की रणनीति पर उठाए सवाल

पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने केकेआर की बल्लेबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा, कोलकाता सही रणनीति नहीं बना पाई। यह पारंपरिक बल्लेबाजी के अनुकूल विकेट नहीं था, खासकर नई गेंद के साथ। ऐसे में संभलकर खेलना जरूरी था, लेकिन टीम ने जल्दबाजी दिखाई।

स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप से हुए बाहर

लंदन। भारत के साथ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डरहम की काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है। वह हालांकि सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्हें हालांकि भरोसा है कि स्टोक्स गर्मियों के मुकाबलों के लिए फिट हो जाएंगे। इंग्लैंड का टेस्ट सफर 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा। उसके बाद भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के मद्देनजर स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को प्राथमिकता दे रहे हैं।ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान वह चोटिल हो गए

लक्ष्य की हार के साथ भारत की निराशाजनक शुरुआत

विश्व मुक्केबाजी

एजेंसी । ब्राजील

पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरुआत निराशाजनक रही। लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) सोमवार को पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए। मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप 2023 के रजत पदक विजेता परेरा ने एकतरफा मुकाबले में 5-0 से पराजित किया।

चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था। एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए जबकि चाहर के 135 अंक रहे।

जादूमणि सिंह एम (50 किग्रा), निखिल दुबे (75 किग्रा) और जुगनू (85 किग्रा) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है। पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं। इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किए गए नए भार वर्गों में खेलेंगे।

अश्वनी ने कप्तान को दिया यादगार पदार्पण का श्रेय

मुंबई। मुंबई इंडियंस के नए खिलाड़ी अश्वनी कुमार ने मंगलवार को कहा कि कप्तान हार्दिक पांड्या ने पदार्पण से पहले उन्हें यह याद दिलाकर उनकी घबराहट दूर कर दी कि 'पंजाबी निडर होते हैं। उन्हें मैदान पर जाकर प्रतिद्वंद्वी टीम में खौफ पैदा करना चाहिए। पंजाब के झंजेरी के इस 23 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने सोमवार को कोलकाता के चार विकेट झटककर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। अश्वनी ने 'आईपीएलटी20डॉट कॉम से कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था किइतना अच्छा प्रदर्शन करूंगा। हार्दिक भाई ने मुझसे कहा-तुम पंजाब से हो और पंजाबी निडर होते हैं।

बॉलीवुड

त्रिविक्रम की फिल्म में काल्पनिक किरदार में नजर आएंगे अल्लू अर्जुन

'पुष्पा राज' फेम अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी कई आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में खबर आई थी कि अल्लू 'जवान' के निर्देशक एटली के साथ फिल्म करने वाले हैं, वहीं अब यह चर्चा जोरो पर है कि अल्लू निर्देशक त्रिविक्रम के साथ भी एक पौराणिक फिल्म कर सकते हैं। 'पुष्पा 2: द रूल' की सफलता के बाद अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर काम कर रहे हैं। नागा वामसी ने पुष्टि की है कि इस आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग अक्तूबर 2025 में शुरू होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं के एक काल्पनिक किरदार पर आधारित होगी, जिसे अल्लू निभाएंगे।

फिल्म में कैसा होगा अल्लू का किरदार

वहीं फिल्म में यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि इसमें अल्लू भगवान कुमारस्वामी का किरदार निभाते नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म के बारे में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बहरहाल, फिल्म की पूरी कास्ट के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तय है कि इस फिल्म को नागा वामसी और फॉर्च्यून फोर सिनेमा साथ मिलकर बनाएंगे। उम्मीद है कि यह फिल्म 2026 या उसके बाद रिलीज होगी।

रामनवमी पर राम कथा सुनाएंगे अमिताभ बच्चन

रामनवमी के अवसर पर जियो-हॉटस्टार दर्शकों के लिए अयोध्या से एक विशेष लाइव स्ट्रीमिंग करेगा। इस दौरान अमिताभ बच्चन भगवान राम की प्रेरक कथा सुनाएंगे। साथ ही राम जन्मभूमि पर होने वाले सभी विशेष धार्मिक कार्यक्रमों को भी इस पर प्रसारित किया जाएगा। 6 अप्रैल को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक यह स्ट्रीमिंग चलेगी। स्ट्रीमिंग के दौरान अमिताभ बच्चन राम के मूल्यों पर चर्चा करेंगे। उत्सव में राम के जन्म, रामायण के सात कांडों और राम जन्मभूमि से जुड़ी कथा लाइव स्ट्रीम पर चलेगी। इसके अलावा अमिताभ बच्चन बच्चों के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन भी करेंगे। जिसमें रामायण के कांडों की चुनिंदा कहानियों और दोहों को भी दिखाया जाएगा।

अभिनेता धर्मेंद्र की हुई आंख की सर्जरी

अभिनेता धर्मेंद्र की आंख का ऑपरेशन कराया गया। अस्पताल से बाहर आते समय उन्होंने यह जानकारी दी और कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। वयोवृद्ध अभिनेता को मुंबई के एक अस्पताल से बाहर आते देखा गया जहां उनकी दाईं आंख पर पट्टी बंधी थी। इस दौरान उन्होंने अपने प्रशंसकों से कहा कि उनकी आंख का ऑपरेशन किया गया है और वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं। धर्मेंद्र ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा, ‘ अभी बहुत दम है, अभी भी बहुत जान है.. हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उनका ऑपरेशन कब हुआ। धर्मेंद्र श्रीराम राघवन की आगामी फिल्म ‘ इक्कीस में नजर आएंगे।

लापता लेडीज पर फिर लगा आइडिया चोरी करने का आरोप

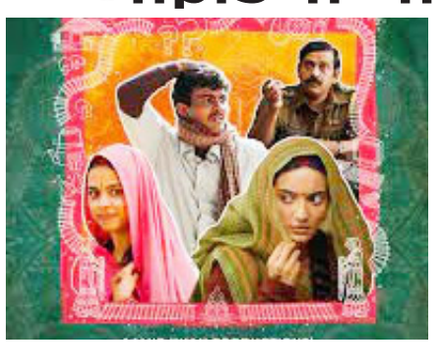

साल 2024 में किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। यह फिल्म भारत की तरफ से ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री के तौर पर भी शामिल हुई। लगभग एक साल बाद इस फिल्म की कहानी को चोरी का बताया जा रहा है। कुछ रेडिट पोस्ट में एक विदेशी फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी, सीन्स का जिक्र किया गया है, जो लगभग 'लापता लेडीज' से मिलते-जुलते हैं।

शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी

- साल 2019 में एक विदेशी शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' रिलीज हुई, यह फिल्म 19 मिनट की है। कहानी में मिडिल ईस्ट को दिखाया गया है, जहां एक व्यक्ति की नई दुल्हन किसी दूसरी महिला से बदल जाती है क्योंकि दोनों महिलाओं ने बुर्का पहना होता है। यह शॉर्ट फिल्म एक सटायर कॉमेडी थी। बिल्कुल इसी कहानी पर ही फिल्म 'लापता लेडीज' भी बनी है। किरण राव निर्देशित फिल्म में भी दो दुल्हनें इसलिए बदल जाती हैं क्योंकि उन्होंने घुंघट डाला हुआ था। इसके अलावा फिल्म में महिलाओं से जुड़े कई मुद्दों को भी दिखाया गया है।

पहले भी लगा है चोरी का आरोप

- जब 'लापता लेडीज' रिलीज हो रही थी तब भी निर्देशक अनंत महादेवन ने इस फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लगाया था। अनंत का कहना था कि साल 1999 में उन्होंने एक फिल्म 'घूंघट के पट खोल' बनाई, इसकी कहानी भी दो दुल्हनों के बदल जाने और खुद के अस्तित्व को तलाशने की थी।

मध्य रेल

आपूर्ति, स्थापना एवं विभिन्न अन्य कार्य

उप मुख्य विद्युत अभियंता (सामान्य) माटुंगा, मुंबई - 400019, निम्नलिखित कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** एलएचबी एसी कोच/पावर कार/पेंट्री कार के स्विच बोर्ड कैबिनेट के एचटी कम्पार्टमेंट में कृंतकों के प्रवेश को रोकने के लिए मल्टी-डायमीटर हैलोजन मुक्त ईपीडीएम मॉड्यूल के साथ केबल ट्रांजिट एंट्री सीलिंग और फुलप्रूफ सुरक्षा प्रणाली की आपूर्ति और स्थापना। **कार्य की अनुमानित:** ₹ 30,84,628.50 **बयान राशि:** ₹ 61,700/-. **समाप्ती अवधी:** 12 महीना। **निविदा भरने का अंतिम दिन और समय:** दिनांक 22/04/2025 दोपहर 12 बजे तक। **ऑफर की वैधता:** 60 दिन। निविदाएं केवल ई-निविदा प्रारूप में ही वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार की जाएंगी। निविदा दस्तावेज वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ई-निविदा सूचना क्र.:
पीजी_डीटीएल_2024-25_ओपी_20_ईपीडीएम 002

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

न्यूज़ ब्रीफ

मौका मिला तो दोबारा अंतरिक्ष में उड़ान भरेंगे : बुच विल्मोर

केप कैनवेरल। नासा के प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने सोमवार को कहा कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान जो कुछ भी गलत हुआ, उसके लिए कुछ हद तक वे स्वयं जिम्मेदार हैं। प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्रियों ने कहा कि अगर मौका मिला तो वह बिना देर किए बोइंग स्टारलाइनर पर दोबारा उड़ान भरेंगे।

कपिल मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू अदालत ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। साल 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा में उनकी कथित भूमिका की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया की अदालत ने इसे प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध पाया और कहा कि इसमें जांच की आवश्यकता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि कपिल कथित अपराध के समय इलाके में थे। ऐसे में उक्त मामले में आगे की जांच जरूरी है।

सुरंग में नमो भारत की सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल

नई दिल्ली। नमो भारत के न्यू अशोक नगर से आनंद विहार तक भूमिगत खंड पर सुरक्षा को परखने के लिए मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान परखा गया कि अगर सुरंग में आग लगने की घटना हुई तो यात्रियों को कैसे बाहर निकाला जाएगा। इसमें नमो भारत ट्रेन की ऑपरेशन टीम, क्यूआरटी और दमकल विभाग की टीम शामिल रही। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि नमो भारत ट्रेन और स्टेशनों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर इंतजाम किए गए हैं। इन इंतजामों को परखने के लिए न्यू अशोक नगर और आनंद विहार भूमिगत स्टेशन के बीच यात्री सुरक्षा मॉक ड्रिल आपातकालीन स्थितियों का अनुकरण किया गया।

नगालैंड के एक और जिले में अफस्पा लागू

केंद्र सरकार ने नगालैंड के मेलुरी जिले में छह महीने के लिए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) मंगलवार को लागू कर दिया। इससे दो दिन पहले ही राज्य के आठ जिलों और पांच अन्य जिलों के 21 पुलिस थाना क्षेत्रों में अफस्पा लगाया जा चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि नगालैंड सरकार ने नवंबर 2024 में फेक जिले से मेलुरी जिले का निर्माण किया था, लेकिन 30 मार्च को सात अन्य जिलों के साथ इसे भी अशांत क्षेत्र घोषित कर दिया गया था। इस कारण यहां अफस्पा लागू किया जा रहा है। अफस्पा अशांत क्षेत्रों में तैनात सशस्त्र बलों को व्यापक शक्तियां देता है और केंद्र की मंजूरी के बिना उनके खिलाफ मुकदमा चलाने पर रोक लगाता है।

साबरमती आश्रम पर तुषार गांधी की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साबरमती आश्रम पुनर्विकास परियोजना के खिलाफ दायर महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने याचिका दायर करने में दो साल से अधिक की देरी का उल्लेख करते हुए कहा कि वह याचिका में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती। तुषार ने गुजरात हाईकोर्ट के खिलाफ अपनी याचिका में तर्क दिया था कि प्रस्तावित परियोजना आश्रम की आकृति को बदल देगी। याचिका में कहा गया है कि परियोजना में कथित तौर पर 40 से अधिक इमारतों की पहचान की गई है जिन्हें संरक्षित किया जाएगा जबकि शेष लगभग 200 को नष्ट कर दिया जाएगा। या उनका पुनर्निर्माण किया जाएगा। गुजरात हाईकोर्ट ने 2022 में तुषार की याचिका का उस समय निपटारा कर दिया था, जब सरकार ने कहा था कि आश्रम का मुख्य क्षेत्र प्रभावित नहीं होगा। अहमदाबाद में साबरमती आश्रम महात्मा गांधी ने 1917 में स्थापित किया था।

सुरंग में नमो भारत की सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल

नई दिल्ली। नमो भारत के न्यू अशोक नगर से आनंद विहार तक भूमिगत खंड पर सुरक्षा को परखने के लिए मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान परखा गया कि अगर सुरंग में आग लगने की घटना हुई तो यात्रियों को कैसे बाहर निकाला जाएगा। इसमें नमो भारत ट्रेन की ऑपरेशन टीम, क्यूआरटी और दमकल विभाग की टीम शामिल रही। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि नमो भारत ट्रेन और स्टेशनों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर इंतजाम किए गए हैं। इन इंतजामों को परखने के लिए न्यू अशोक नगर और आनंद विहार भूमिगत स्टेशन के बीच यात्री सुरक्षा मॉक ड्रिल आपातकालीन स्थितियों का अनुकरण किया गया।

लोकसभा में आज पेश होगा वक्फ संशोधन बिल

एजेंसी । नई दिल्ली

वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (BAC) ने जब इस बात की जानकारी दी, तब विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। हालांकि विपक्ष ने BAC की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया। वक्फ संशोधन बिल पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा हुआ। प्रश्नकाल खत्म होते ही विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद स्पीकर ने कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी थी।

संसदीय कार्य मंत्री बोले- देश जानना चाहता है किसका क्या स्टैंड

भाजपा ने व्हिप जारी कर अपने सांसदों को सदन में पूरे समय मौजूद रहने को कहा है। वहीं, कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को बजट सत्र के बाकी बचे तीनों दिन सदन में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी किया है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि हम बिल पर चर्चा चाहते हैं। सभी राजनीतिक दलों को इस पर बोलने का अधिकार है। देश भी जानना चाहता है कि किस पार्टी का क्या स्टैंड है। अगर विपक्ष चर्चा में शामिल नहीं होना चाहता तो हम उन्हें रोक नहीं सकते।

- हर अच्छे काम का विरोध होता है, इसी तरह वक्फ संशोधन विधेयक पर भी हंगामा हो रहा है, जो लोग इस मुद्दे पर हंगामा कर रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं क्या वक्फ बोर्ड ने मुसलमानों का भी कोई कल्याण किया है? वक्फ सरकारी संपत्ति पर जबरन कब्जे का माध्यम बन गया है।

-योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

- वक्फ संशोधन बिल को 'वक्फ बर्बाद बिल' कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का एकमात्र मकसद मुसलमानों से नफरत फैलाना और हिंदुत्व की विचारधारा लागू करना है। ओवैसी ने चंद्रबाबू नायडू से अपील की कि उन्हें सोच-समझकर फैसला लेना चाहिए कि वे क्या करवाना चाहते हैं।

-असदुद्दीन ओवैसी, AIMIM प्रमुख

- पिछले 75 साल से मुसलमानों को गुमराह करने के लिए फर्जी कहानियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आम मुसलमान तुष्टिकरण नहीं चाहते; वे सशक्तीकरण चाहते हैं। वक्फ बिल से सबसे ज्यादा फायदा मुसलमानों को होगा।

-मिलिंद देवड़ा, शिवसेना के राज्यसभा सांसद

- भाजपा का हर फैसला वोट के लिए होता है। समाजवादी पार्टी वक्फ बिल के खिलाफ है। भाजपा पूरा नियंत्रण चाहती है। प्रशासन के गलत फैसले के कारण भारत की संस्कृति और भाईचारे के खिलाफ खाई पैदा की गई है। वह कहते थे कि हम तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं, क्या भाजपा ईद पर किट बांटकर तुष्टीकरण नहीं कर रही है?

अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

जेडीयू और टीडीपी के सुझाव सरकार ने माने

सूत्रों के मुताबिक, दोनों पार्टियों ने वक्फ संशोधन बिल पर 3 सुझाव दिए थे। सरकार ने सभी को मान लिया है। हालांकि, अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कानून को पिछली तारीख से लागू नहीं करना चाहिए। पुरानी मस्जिद, दरगाह या दूसरे मुस्लिम धार्मिक स्थान से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। जमीन राज्यों को विषय है। जमीन पर राज्यों की स्पष्ट राय भी ली जाए।

वोटिंग में NDA के पक्ष में आंकड़े

लोकसभा में TDP-JDU के 28 सांसदों पर निर्भर

सांसदों की संख्या	सांसदों का समर्थन चाहिए
543	272

भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
294	234	14

राज्यसभा में 6 नॉमिनेटेड मेंबर्स के भरोसे

सांसदों की संख्या	सांसदों का समर्थन चाहिए
236	119

भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
115+6=121	85	30

गुजरात की पटाखा फैक्ट्री में भयंकर विस्फोट

एजेंसी । बनासकांठा

गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग हादसे में 20 श्रमिकों की मौत हो गई है। हादसे में मृतक श्रमिकों में सभी मध्य प्रदेश के मजदूर बताए जा रहे है। इसमें हरदा जिले के हंडिया के रहने वाले आठ और छह देवास के मजदूरों की पहचान हुई है। मृतकों में बाकी छह लोगों की अभी पहचान होना बाकी है। हरदा जिला प्रशासन ने एडीएम के नेतृत्व में एक टीम गठित की है। इसके लिए प्रशासन और पुलिस की एक टीम को हरदा से बनासकांठा रवाना कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से मध्यप्रदेश निवासी श्रमिकों के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का गुजरात सरकार से घटना के संबंध में लगातार संपर्क बना हुआ है। श्रमिकों की सहायता और परिवारों की मदद के लिए सभी आवश्यक प्रयास होंगे। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने बाबा महाकाल से असमय दिवंगत श्रमिकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

- एमपी के 20 मजदूरों की मौत
- सीएम ने जताया गहरा दुख

"मैं इस दुर्घटना में राहत, बचाव और उपचार कार्य के संबंध में प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं। मैंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायलों को जल्द से जल्द उचित उपचार मिले। राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की मदद देगी। मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर मृत कर्मचारियों की आत्मा को शांति प्रदान करें तथा घायलों को शीघ्र स्वस्थ करे।

-भूपेंद्र पटेल, मुख्यमंत्री

गुजरात सरकार के परिवार के लिए किया मुआवजे का ऐलान

गुजरात सरकार ने मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि देने का एलान किया है। वहीं सीएम मोहन यादव ने भी घटना पर दुख जताया है। सीएम यादव के मुताबिक उनकी सरकार गुजरात सरकार से संपर्क में है और हादसे के हताहतों को उचित आर्थिक मदद दिया जाएगा।

पटाखे को बेचने का ही लाइसेंस था

पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ BNS की धारा 304 के तहत केस दर्ज किया है। इस दौरान आरोपी की गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है। ऐसा बताया जा रहा है यहां पर पटाखे को बनाने की प्रक्रिया चल रही थी। जबकि इसके पास मात्र पटाखे को बेचने का ही लाइसेंस था। सीएम भूपेंद्र पटेल ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह हादसे काफी दर्दनाक था। इस मुश्किल समय में सरकार पीड़ित परिवारों के संग खड़ी है।

रणवीर अल्लाहाबादिया और आशीष चंचलानी को नहीं मिली राहत

जांच पूरी होने तक पासपोर्ट देने से इनकार

एजेंसी । नई दिल्ली

यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की, जिसमें उन्होंने अपने शो में शालीनता बनाए रखने की बात कही। रणवीर ने अपना पासपोर्ट जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कई इंटरव्यू के सिलसिले में उन्हें विदेश जाना पड़ता है और कई मीटिंग करनी पड़ती है। रणवीर ने तर्क दिया कि इससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। हालांकि, कोर्ट ने उनकी याचिका यह कहते हुए खारिज कर दिया कि अगर वह विदेश जाते हैं तो इससे जांच प्रभावित होगी। रणवीर अल्लाहबादिया के अलावा आशीष चंचलानी ने भी अपना पासपोर्ट वापस पाने के लिए कोर्ट से गुहार लगाई, लेकिन शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका को भी खारिज कर दिया।

कब तक चलेगी जांच?

पीठ ने कहा कि अगर अल्लाहबादिया विदेश जाते हैं तो इससे जांच प्रभावित होगी। साथ ही महाराष्ट्र और असम सरकारों का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से जांच पूरी करने की समय-सीमा के बारे में भी पूछा। तुषार मेहता ने जांच दो सप्ताह में पूरी होने की संभावना जताई। पीठ ने कहा कि वह दो सप्ताह बाद पासपोर्ट जारी करने के अल्लाहबादिया के अनुरोध पर विचार करेगी।

शर्तों के साथ शो शुरू करने की अनुमति

'इंडिया गॉट लैटेंट' में अश्लील और विवादित बयान के विवाद में फंसे रणवीर को 3 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने उनका पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' फिर से शुरू करने की अनुमति दी। यह अनुमति उन्हें नैतिकता और शालीनता बनाए रखने और सभी उम्र के दर्शकों के लिए उपयुक्त बनाने के शर्त पर मिली। रणवीरसमय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर माता-पिता को लेकर अश्लील टिप्पणी की थी।

नहीं रहे प्रेमचंद के बॉसवेल

प्रख्यात साहित्यकार डॉ. कमल किशोर गोयनका का निधन

एजेंसी । नई दिल्ली

हिन्दी के प्रख्यात लेखक और उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के साहित्य के सर्वोत्तम विद्वान शोधकर्ता डॉ. कमल किशोर गोयनका का मंगलवार को निधन हो गया। उनके बेटे संजय ने बताया कि उन्होंने 87 वर्ष की उम्र में दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में सुबह लगभग 7:30 अंतिम सांस ली। उनके छोटे पुत्र राहुल विदेश में हैं। इसलिए उनका अंतिम संस्कार कल किया जाएगा।

24वें व्यास सम्मान से अलंकृत

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में 11 अक्टूबर 1938 को जन्मे कमल किशोर गोयनका को वर्ष 2014 के लिए 24वें व्यास सम्मान से अलंकृत किया गया था। यह पुरस्कार उन्हें उनकी पुस्तक 'प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन' के लिए दिया गया था। उन्हें व्यास सम्मान के साथ-साथ उदय राज स्मृति सम्मान भी प्राप्त था। उन्हें प्रेमचंद साहित्य का अप्रतिम मर्मज्ञ माना जाता है। उनका योगदान केवल प्रेमचंद तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने हिंदी साहित्य के गम्भीर शोध, आलोचना और प्रवासी हिंदी साहित्य के क्षेत्र में भी असाधारण कार्य किया।

62 पुस्तकों में से 36 प्रेमचंद पर केंद्रित

डॉ. गोयनका चार दशक तक दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी के शिक्षक रहे और रीडर पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने पांच दशक से अधिक समय तक प्रेमचंद और अन्य लेखकों पर शोध किया। उनकी 62 पुस्तकों में से 36 प्रेमचंद पर केंद्रित हैं। वे 'प्रेमचंद के बॉसवेल' के रूप में विख्यात हुए। उनकी खोजी दृष्टि ने प्रेमचंद साहित्य की दशकों पुरानी धारणाओं को चुनौती दी और भारतीयता के व्यापक परिप्रेक्ष्य में प्रेमचंद की पुनर्व्याख्या की। उन्होंने हिंदी साहित्य में ऐतिहासिक खोज का कार्य किया और लगभग एक हजार पृष्ठों के अज्ञात एवं दुर्लभ साहित्य, सैकड़ों मूल दस्तावेज, पत्र, पांडुलिपियां आदि को खोजकर प्रेमचंद के साहित्यिक स्वरूप

येशु-येशु वाले बजिंदर सिंह को रेप केस में उम्रकैद

एजेंसी । मोहाली

रेप केस में दोषी करार दिए गए स्वघोषित पादरी बजिंदर सिंह को मोहाली की एक अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विक्रांत कुमार की अदालत ने यह फैसला सुनाया। बजिंदर सिंह खुद को धार्मिक प्रचारक बताते हैं और अपनी सभाओं में चमत्कार करने के दावे करते रहे हैं। कई बार उनकी सभाओं में सिलेब्रिटीज भी शामिल हुए। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में वह लगातार विवादों में घिरे रहे और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हुए।

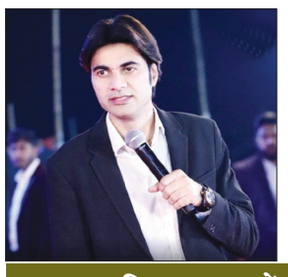

कैसे खुला मामला?

यह मामला 2018 में जीरकपुर पुलिस थाने में एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से सामने आया था। महिला ने आरोप लगाया था कि बजिंदर सिंह ने उसे विदेश ले जाने का झांसा दिया और मोहाली के सेक्टर 63 स्थित अपने घर पर बलात्कार किया।

किस धाराओं में दोषी करार?

अदालत ने बजिंदर सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 323 (चोट पहुंचाने), और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दोषी ठहराया। सजा सुनाए जाने के बाद 42 वर्षीय पादरी को पटियाला जेल भेज दिया गया। इस केस में पांच अन्य आरोपी अकबर भट्टी, राजेश चौधरी, जतिंदर कुमार, सितार अली और संदीप पहलवान को बरी कर दिया गया, जबकि ट्रायल के दौरान एक आरोपी सुच्चा सिंह की मौत हो चुकी है।

कठुआ में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी

जम्मू। कठुआ जिले के पंजतीर्थी-बरोटा के जंगली इलाके में सोमवार देर रात तीन आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। इस दौरान पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई। हालांकि, तीनों आतंकी सुरक्षाबलों को चकमा देने में कामयाब हो गए। इन्हें पकड़ने के लिए मंगलवार को बड़े स्तर पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। हवाई निगरानी के साथ ही खोजी कुत्तों को भी इसमें शामिल किया गया है।

चिंताजनक अंतरराष्ट्रीय नेत्र सम्मेलन में विशेषज्ञों ने इस समस्या पर चिंता व्यक्त की

बच्चों की आंख खराब और बड़ों में माइग्रेन की वजह बन रही रील्स

एजेंसी । नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर बढ़ती रील्स देखने की आदत अब केवल मानसिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि आंखों के लिए भी गंभीर खतरा बन रही है। डॉक्टरों और नेत्र रोग विशेषज्ञों ने हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इस बढ़ती समस्या पर चिंता व्यक्त की है। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक रील्स देखने से ड्राई आई सिंड्रोम, मायोपिया (नजदीक की दृष्टि कमजोर होना), आंखों में जलन, धुंधली दृष्टि और भेंगापन जैसी दिक्कतें बढ़ रही हैं।

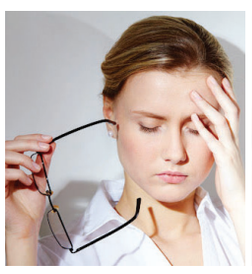

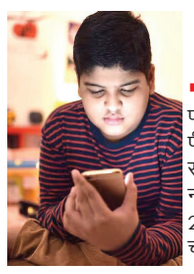

50 फीसदी आबादी पर मायोपिया का खतरा

- 2050 तक दुनिया की 50 फीसदी आबादी मायोपिया से पीड़ित हो सकती है। पहले 21 साल की उम्र के बाद चश्मे का नंबर नहीं बढ़ता था, लेकिन अब 20 साल तक की उम्र में भी चश्मे का नंबर बढ़ जा रहा है।

ये उपाय अपनाएं

- हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लें और 20 फीट दूर देखें
- स्क्रीन के सामने पलकें झपकाने की आदत जरूर डालें
- रील्स और स्क्रीन टाइम सीमित करें

डिजिटल आई स्ट्रेन की महामारी

द्वारका में आयोजित प्रेस वार्ता में एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. ललित वर्मा ने इसे डिजिटल आई स्ट्रेन की महामारी करार देते हुए चेतावनी दी कि बच्चों और युवाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। डॉक्टरों के अनुसार, छोटी और आकर्षक रील्स लगातार स्क्रीन पर ध्यान बनाए रखने के लिए डिजाइन की गई होती हैं। इसके कारण पलक झपकने की दर 50 फीसदी तक कम हो जाती है, जिससे आंखें सूख जाती हैं और आई स्ट्रेन बढ़ता है। अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. हरबंश लाल ने बताया कि जो लोग रोजाना घंटों तक रील देखते हैं, उनमें शुरुआती मायोपिया विकसित होने का खतरा अधिक होता है। वयस्कों में भी नीली रोशनी के अधिक संपर्क से सिरदर्द, माइग्रेन और नींद की समस्या बढ़ रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने महुआ मोइत्रा की याचिका खारिज की

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें भारत के वित्तीय बाजारों में पारदर्शिता बढ़ाने और निवेशकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक निवेश कोष और विदेशी पोर्टफोलियो होल्डिंग्स का सार्वजनिक खुलासा अनिवार्य करने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई की। अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने महुआ मोइत्रा का पक्ष रखा, जबकि केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपस्थित थे। सुप्रीम कोर्ट ने मोइत्रा को सुझाव दिया कि वे अपनी शिकायतें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के समक्ष प्रस्तुत करें।